RAJASTHAN SEWA SAMITI AHMEDABAD 1961 - 2017 सेवा परमो धर्मः

Sewa Jyot

July 2018

LEADERSHIP IN ACTION

INDEX

PRESIDENT'S MESSAGE	03
HON' SECRETARY'S MESSAGE	05
MESSAGE OF EDITOR	06
CONVENORS' REPORTS	07
CO-CONVENORS' REPORTS	10
COGITO, ERGO SUM	14
EXECUTIVE MEETING	15
GET-TOGETHER - YEAR 1996 BATCH	17
NEW BUILDING - NEW VISION	18
PRESIDENTIAL PEN	24
FROM THE PRINCIPALS' DESK	26
SAHPATHI SAHYOG	28
ATL - A WONDERFUL CONCEPT	29
FAITH & SCIENCE	32
TEACHER ARTICLES	34
STUDENTS' ACTIVITIES	36
HAVE YOU READ THIS BOOK?	43
STUDENTS' RESULT	46

INSTITUTIONS OPERATING UNDER RAJASTHAN SEWA SAMITI

- Rajasthan Hindi High School
- Rajasthan Eng. Higher Secondary School (Self Financed)
- Gyanodaya Hindi Prathmik Shala
- Gyanodaya English Medium Primary School
- Gyanodaya Shishu Mandir
- Rajasthan Institute of Professional Studies

Rajasthan Sewa Samiti is the organization recognized & registered under Ahmedabad Bombay Public Trust Act & Societies' Registration Act. The donation given to the Samiti is exempted from tax under Income Tax Act, 1961, Section 80G.

This Bulletin is Designed by Rioconn Interactive Pvt. Ltd.
Advertised & Printed by Khushi Advertising
Published by Rajasthan Sewa Samiti
Subhash M. Dasani - Editor & Convenor, Bulletin Committee
Rajesh Balar - Co.Convenor, Bulletin Committee
Ramchandra Bagrecha - Member, Bulletin Committee

RAJASTHAN SEWA SAMITI:
Rajasthan Bhawan, Shahibaug Road, Ahmedabad -380004.
Tel: +91 79 2562 4675 / 6412
Email: rajasthansewasamiti1961@gmail.com
Web: www.rajasthansewasamiti.com

PRESIDENT'S MESSAGE

GANPATRAJ CHOWDHARY - President

स्नेही स्वजन,

राजस्थान सेवा समिति के हमारे मुखपत्र "सेवा ज्योत" के माध्यम से आप सब से मिलने का एक और अवसर मुझे प्राप्त हुआ है।

हमारे लिए काफी ख़ुशी की बात है कि हम दृढ़ निश्चय के साथ राजस्थान सेवा समिति के लिए एवं हमारे विद्यालयों के लिए नए भवन के निर्माण की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं।

दिनांक 18 जून 2018 को हमारी असाधारण सभा संपन्न हुई जिसमे काफी बड़ी संख्यामें हमारे सदस्य उपस्थित रहें और उन्होंने हमारे वर्तमान संविधानमें परिवर्तन करनेके लिए हमें अपनी सम्मति दी। मुझे आप सबसे यह बताते हुए बेहद गर्व होता है कि हमारी उपरोक्त असाधारण सभा के पूर्व भी हमारी एक असाधारण सभा दिनांक 22 फरवरी, 2018 को संपन्न हुई थी जिसमे संविधानमें संशोधन के बारे में सम्पूर्ण विवरण सदस्यों को दिया गया था और सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि संविधान संशोधन के लिए सदस्यों की स्वीकृति प्राप्त करने हेतु एक "संशोधन पत्र" हमारे 1429 सदस्यों को भेजा जाए क्यों कि हमारे वर्तमान संविधानके अनुसार अगर हमें संविधानमें कोई भी परिवर्तन करना है तो इसके लिए हमारे कुल सदस्यों में से 75% सदस्यों की सम्मति आवश्यक है। उपरोक्त निर्णय के अनुसार "संशोधन पत्र" तैयार करके हमारे 1429 सदस्यों को भेजा गया था। आप सबको बताते हुए मुझे ख़ुशी होती है कि "संशोधन पत्र" मिलते ही हमारे 1128 सदस्यों ने हमें अपनी प्रतिक्रिया भेजी जिनमे से हमें 1103 सदस्यों ने "संविधान संशोधन परिवर्तन/ परिवर्धन" के लिए अपनी सम्मति प्रदान की। 8 सदस्यों ने अपनी असहमति बताई और एक या दूसरे कारण

से 17 सदस्यों द्वारा वापिस मिले "संशोधन पत्र" अयोग्य तय हुए। मुझे इस बात का विशेष आनंद है कि हमारे 1128 सदस्यों ने हमें अपनी प्रतिक्रिया भेजी, जिससे हम जान सके कि 79% जितने हमारे सदस्य, समिति की प्रवृतिओं के साथ सक्रीय रूप से जुड़े हुए हैं।

मेरा हमेशा विश्वास रहा है कि किसी भी कार्य में निर्णय तक आने के लिए कितना भी वक़्त क्यों न लगे, हमारा संनिष्ठ प्रयत्न सर्वसम्मति तक पहुँचने का होना चाहिए और इसी कारण, हमारी राजस्थान सेवा समिति के नए भवन के निर्माण के विचार से लेकर आजतक हमने लम्बी मंजिल तय की है और मुझे आज आनंद है कि इस शुभ कार्य के लिए हमें 78% से भी ज्यादा सदस्योंने अपनी सम्मति दे दी है। इस मिशन के लिए हमारे इत्तने सारे सदस्यों की प्रतिबद्धता ही हमारी शक्ति है। मुझे पूरा विश्वास है कि हमें तन-मन-धन से सबका सम्पूर्ण सहयोग मिलेगा और नए भवन का हमारा स्वप्न सच होगा।

आजभी मुझे 27 दिसम्बर 2017 की राजस्थान सेवा समिति की हमारी कार्यकारिणी सभा याद है जब हमारे सदस्यों को मैंने नए भवन निर्माण के बारे में जानकारी दी थी और आवश्यक धनराशि का भी अंदाज दिया था और कुछ ही क्षणों में हमारे 31 साथी मित्रों ने, इस मिशन के लिए, अपनी अपनी ओर से रुपया 51 लाख दानराशि देने का हमें आश्वासन दिया था।

जब हमारे अन्य साथियों ने इस निर्णय के बारे में जाना तो कई ओर साथियों से भी हमें दानराशि का आश्वासन मिला और हमारे ऐसे साथिओं की संख्या 38 हो गयी। मेरे परिवारकी ओर से मैंने भी इस शुभ कार्य के लिए एक बड़ी धनराशि देने का वादा किया है और मुझे इस बात का काफी आनंद है कि हमारा यह स्वप्न अब धनराशि के अभाव की वजह से रुकने वाला नहीं है।

राजस्थान सेवा समिति की हमारी कार्यकारिणी, हमारे पदाधिकारी, एवं हमारे सदस्यों में कई हमारे ऐसे साथी मित्र है जिन्होंने नए भवन के निर्माण के इस स्वप्न को अपना स्वप्न बना लिया है और मात्र धन-राशि ही नहीं लेकिन हर तरह से हमें इन दोस्तों का सहयोग मिल रहा है जिसके कारण हम सब का उत्साह ओर भी बढ़ा है। समिति के हमारे पूज्यनीय ट्रस्टी हमेशा हमारे मार्गदर्शक रहे हैं और हर वक़्त उन्होंने हमारा उत्साह बढ़ाया है। इसी तरह हमारे सारे पदाधिकारी न सिर्फ हमें उनका समय देते है लेकिन समिति के हर कार्य में, हर चुनौती में सबसे पहले हमारे पदाधिकारिओं का हाथ उठता है। मुझे इतना ही आनंद हमारी हर कमिटी के कार्यो से है। हर कमिटी के कार्यों को मैं और हमारे अन्य पदाधिकारी तथा ट्रस्टीगण देखते रहते है और इसी कारण हमारे हर कमिटी कन्वीनर का हम जितना ऋण स्वीकार करें वह कम है।

राजस्थान सेवा समिति के लिए और हम सबके लिए सबसे प्रथम प्राथमिकता रही है "विद्यादान" और इसी कारण इस बार भी बोर्ड के इंतिहान में समिति के विद्यार्थिओं के अच्छे प्रदर्शन से हम सब काफी प्रभावित हुए हैं और आचार्यगण, शिक्षकगण एवं श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले हर विद्यार्थी को अभिनन्दन देते हैं। मैंने इन सबको व्यक्तिगत अभिनन्दन पत्र भी लिखे है।

हमारे लिए गौरव की बात है कि राजस्थान सेवा समिति में नए 259 सदस्य जुड़े हैं। समिति के बढ़ते हुए प्रभाव का यह प्रमाण है और मुझे विश्वास है कि नए सदस्य आने से हम राजस्थान सेवा समिति की गतिविधि ओर भी बढ़ा सकेंगे। मैंने संपन्न हुई असाधारण सभा में बताया था कि किसीभी कंपनी की शक्ति उसके शेयर होल्डर्स की संख्या से प्रतिबिंबित होती है और यह बात राजस्थान सेवा समिति के लिए भी इतनी ही सच है।

दोस्तों हम एक नयी स्वप्न-सिद्धि, नए परिवर्तन, नयी क्षितिज की ओर कदम बढ़ा रहे हैं और मुझे विश्वास है कि आगंतुक भविष्य में राजस्थान सेवा समिति की तस्वीर ओर निखर कर सामने आएगी।

राजस्थान सेवा समिति के विद्यार्थियों की आँखों में जो स्वप्न है वह स्वप्न, हमारी शक्ति भी है और हमारा संतोष भी।

गणपतराज चौधरी
अध्यक्ष

It is a quiet multitude of
little miracles that makes
life sweet.

MARJORIE P. HINCKLEY

SHYAMSUNDER TIBREWAL
Hon. Secretary

आत्मीय स्वजनों,

किसीने सच कहा है कि जीवन की सफलता का मापदंड, सिर्फ धन-राशि नहीं है लेकिन उस धन-राशि का हम समाज के लिए क्या उपयोग करते हैं, कितने जीवन में परिवर्तन ला सकते हैं और जिस भूमि पर हमने जन्म लिया है उसे वापिस क्या दे कर जाते है, वही जीवन की सफलता का सच्चा मापदंड है। समाज को कुछ अर्पित करने का ऐसा ही एक श्रेष्ठ अवसर हमें राजस्थान सेवा समिति ने दिया है। हमारे लिए गर्व की बात है कि समिति का केंद्र-बिंदु हमेशा "विद्या-दान" रहा है। समिति की सभी शालाएं राजस्थान हिंदी हाई स्कूल, राजस्थान इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल, ज्ञानोदय हिंदी प्राथमिक शाला, ज्ञानोदय इंग्लिश मीडियम प्राइमरी स्कूल इत्यादि अपने आप में बेनमून संस्थाएं हैं और हर साल, बोर्ड के इंतिहानमें हमारे विद्यार्थी बेहद सराहनीय परिणाम प्राप्त कर विद्यालयों की श्रेष्ठता एवं हमारे आचार्यगण एवं शिक्षकगण की निष्ठा का परिचय देते रहे हैं।

हमारे लिए गर्व की बात है कि हमारे सभी पूर्व अध्यक्षों ने अपने अपने कार्यकाल के दौरान उत्तरोत्तर राजस्थान सेवा समिति को न सिर्फ सर्वोच्च नेतृत्व प्रदान किया लेकिन अपना तन-मन-धन इस संस्था को समर्पित किया और उन्ही के नक्सेकदम पर हमारे वर्तमान अध्यक्ष श्री गणपतजी चौधरी भी राजस्थान सेवा समिति को उच्चाकांक्षाएँ प्रदान कर रहे हैं। हमारे अध्यक्षश्री की दूरंदेशी, विशाल हृदय, हर काम में पहल करनेकी उत्कंठा एवं साथिओं को प्रोत्साहित करने की क्षमता, हमें समिति के उज्जवल भविष्य का विश्वास दिलाती है। राजस्थान सेवा समिति के हमारे सदस्यों ने समिति के नए भवन के लिए दिलोजान से अपना उत्साह बताया है। समिति की दोनों असाधारण सभा में हमारे सदस्यों की काफी मात्रा मे उपस्थिति एवं संविधान संशोधन परिवर्तन/परिवर्धन के लिए मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया इस बात का प्रमाण है। हमें विश्वास है कि नए भवन के निर्माण से राजस्थान सेवा समिति की छवि ओर निखर कर सामने आएगी और हम सब मिलके समिति का कार्यक्षेत्र भी काफी विस्तृत कर सकेंगे।

राजस्थान सेवा समिति की जो एक अनूठी विशेषता रही है वह है हमारे सभी विद्यालयों में पढाई शुल्क भले ही कम हो, लेकिन सभी विद्यार्थियों को सर्व-श्रेष्ठ शिक्षण प्रदान करना हमारा ध्येय एवं परंपरा रही है। इस बात से हमारे आचार्यगण एवं शिक्षकगण भी प्रेरित होते है और उनका समर्पण विद्यार्थियों के श्रेष्ठ परिणामों में प्रतिबिंबित होता रहा है। यही खासियतके कारण कई सारी सामाजिक संस्थाओं के बीच, राजस्थान सेवा समिति ने हमेशा अपनी अलग छवि कायम की है।

मैं यह बात इसलिए करना चाहता हूँ कि मेरा भी विश्वास रहा है कि जब भी हम कोई भी सामाजिक प्रवृति करें तब उस कार्य के प्रति हमारा दायित्व उतना ही प्रतिबिंबित होना चाहिए जैसे की वह प्रवृति हम हमारे निजी परिवारके कोई सदस्यके लिए कर रहे हैं। मुझे लगता है कि यही बात "वसुधैव कुटुंबकम" का भी भावार्थ है। जब हमसब हमारी हर एक सामाजिक प्रवृति को हमारे निजी जीवन का ही विस्तार समझेंगे, निजी जीवन ही समझेंगे, तब ऐसे हर एक कार्य से मिलनेवाला संतोष कुछ ओर ही होगा, ऐसा मेरा मानना है।

अन्तमे श्री अटल बिहारी वाजपेयीजी के शब्द प्रस्तुत है,

हम पड़ाव को समझे मंज़िल
लक्ष्य हुआ आंखों से ओझल
वतर्मान के मोहजाल में-
आने वाला कल न भुलाएँ।
आओ फिर से दिया जलाएँ।
आहुति बाकी यज्ञ अधूरा
अपनों के विघ्नों ने घेरा
अंतिम जय का वज्र बनाने-
नव दधीचि हड्डियां गलाएँ।
आओ फिर से दिया जलाएँ

MESSAGE OF EDITOR

SUBHASH DASANI
Convenor,
Bulletin Committee

आप सबको मेरा नमस्कार,

हमारी राजस्थान सेवा समिति के मुखपत्र "सेवा ज्योत" का इस साल का चौथा अंक प्रस्तुत करते आनंद का अनुभव करता हूँ। हमारे लिए ख़ुशी की बात है कि "सेवा ज्योत" को काफी सराहना मिली है और हमें हमारे सदस्यों के माध्यम से जब जब प्रतिक्रियाएं मिली तब उन्हें सम्मिलित करने का हमारा प्रयास रहा है।

राजस्थान सेवा समिति ने वर्ष 1961 में स्थापना के बाद कई सीमा-चिन्ह कायम किये है और हम सब के लिए गर्व की बात है कि एक ओर सीमा-चिन्ह की ओर, हमारे नए भवन की ओर हम गतिशील हो रहे हैं। इस विषय का आनंद हमारे सदस्यों को तो है ही, लेकिन उतना ही आनंद समिति के विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हर विद्यार्थी, आचार्यगण एवं शिक्षकगण को भी है।

राजस्थान सेवा समिति के सारे सदस्यों की अगर एक व्याख्या करनी हो तो वह होगी, "A Team of Doers". यह बात मैंने समिति के बुलेटिन कमिटी के कन्वीनर होने के कारण हमारी कमिटी के सर्व सदस्यों में और कार्यकारिणी के सदस्य होने के कारण हमारे अध्यक्षश्री, हमारे सारे पदाधिकारी, एवं कार्यकारिणी के सभी सदस्योंमें अपने निजी अनुभव से महसूस की है। इसी तरह हमारे नए भवन के निर्माणके लिए जिस तरह हमारे अध्यक्षश्री एवं कई सारे सदस्य अपने उदार हाथोंसे आगे आये है इससे भी समिति के लिए "A Team of Doers" की यह बात सिद्ध होती है। 1429 सदस्यों से बने समिति के इस परिवार का सदस्य होना हमारे लिए गर्व की बात है।

दोस्तों हमारे मुखपत्र के इस चौथे अंक में भी हमने समिति की कई सारी गतिविधियां, समिति के विद्यालयों की प्रवृतियां एवं कई सारे पढ़ने योग्य लेख शामिल किये हैं और मुझे विश्वास है कि आपको हमारा यह अंक भी जरूर पसंद आएगा। बुलेटिन कमिटी के हमारे कार्य में जिस तरह हमारे सह-कन्वीनर श्री राजेशजी बलार एवं सदस्य श्री रामचन्द्रजी बागरेचा का साथ एवं सहयोग मिल रहा है उसके लिए आभार व्यक्त करने के लिए शब्द भी कम है। न सिर्फ कमिटी की हर मीटिंग में आपकी उपस्थिति रहती है लेकिन आप से मिलते रहे सूचन भी "सेवा ज्योत" के हर अंक को बेहतर रूप देने में काफी उपयोगी साबित होते रहे हैं।

"सेवा ज्योत" में आमूल परिवर्तन लाने में जिनकी दूरंदेशी रही है वह है हमारे अध्यक्ष श्री गणपराजजी। आप से मिलते रहे सहयोग, प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन के कारण ही "सेवा ज्योत" को हम नया ढांचा प्रदान कर सके हैं। हमारे अन्य पदाधिकारी एवं हमारी विद्यालयों की ओर से हमारे आचार्यगण भी इस कार्य के साथ अविरत जुड़े हुए है जिसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद करता हूँ।

चलता रहूँगा पथ पर,
चलने में माहिर बन जाऊंगा !!
या तो मंजिल मिल जाएगी,
या अच्छा मुसाफ़िर बन जाऊंगा !!

TEJKARAN LOONIA
Convenor,
Gyanodaya School Committee

राजस्थान और गुजरात राज्य का काफी पुराना संबंध हे। राजस्थानी लोगों ने राजस्थान के साथ-साथ गुजरात को भी अपनी कर्मभूमि बनाया, परिणाम स्वरूप राजस्थानी समाज गुजरात में बसा तथा इस समाज को अन्य सुविधाओ के साथ-साथ शिक्षण संस्था की भी जरुरत पडी। इस कारण राजस्थान सेवा समिति गठित हुई जिसके अंतगर्त राजस्थान स्कूल, राजस्थान हॉस्पिटल आदि सामाजिक एवं लोकहितकारी संस्थाए अपना कार्य कर रही है।

मुझे इस बात पर हर्ष एवं गर्व है कि इसी श्रृंखला में राजस्थान स्कूल परिवार की आधारभूत ईकाई ज्ञानोदय प्राइमरी स्कूल का मैं कन्वीनर हूँ। मुजे संस्था ने हर वर्ष चुनकर और अधिक जिम्मेदारी का अहसास करवाया है जिसे मै मन कर्म वचन से निभाने का प्रयत्न करता हूँ।

शाला वह स्थान है जहां हमारे भावी नागरिको का निर्माण होता है। अतः हमारी यह कोशिश रहती है कि हम अच्छे-अच्छे नागरिकों का निर्माण उन्हें अच्छी शिक्षा देकर करे। इसी ध्येय की प्राप्ति हेतु ज्ञानोदय में समुचित शिक्षण की बेहतर व्यवस्था की गई है शिक्षा अच्छी हो तथा साथ में आधुनिक आयामों से परिपूर्ण हो यह भी आवश्यक है इसीलिए समिति ने आधुनिक नव भवन के निर्माण का निर्णय लिया है यह नव विधालय भवन सभी आधुनिक सुविधाओ से पूर्ण होगा तथा बालको के विकास के लिए सारी तकनीकियों का भी प्रयोग किया जाएगा।

अंग्रेजी शिक्षा का वर्चस्व बढ़ा है। समय की मांग को ध्यान में रखते हुए हिंदी मध्यम धीरे-धीरे बंद करते हुए अंग्रेजी माध्यम खोलने का निर्णय लिया गया है जिससे शिक्षा समसामयिक बन सके। गरीब बच्चो की फीस माफ की जाती हे, उन्हें गणवेश व पुस्तके समिति द्वारा मुफ्त में दी जाती है। शाला ने विभिन्न-गतिविधियों के माध्यम से पूरे शहर में अपना नाम रोशन किया है इसलिए रिक्त स्थानों से भी ज्यादा आवेदन पत्र आते है।

यहाँ के शिक्षणगण प्रशिक्षित है तथा बालको को प्रेमपूर्वक शिक्षण देकर उन्हें आगे बढ़ाते है। यहाँ के बच्चे सौहद्र पूर्ण वातावरण में रहकर अच्छे नागरिक साबित होते है। हमारी शाला से पढ़े भूतपूर्व विधार्थी भी अपने बच्चो को इसी विधालय में पढ़ा रहे है यह हमारे लिए ख़ुशी एवं गर्व की बात है की शाला की प्रतिष्ठा उतरोतर बढ़ती ही जा रही है।

BHERULAL JAIN
Convenor, Rajasthan
Hindi High School Committee

It is with great pleasure that I share about the activities of the schools. I take this opportunity to give some glimpses of the progress and introductions made in the interest of our students. The rearrangement of classes in the school building has been followed and executed effectively. With the advent of the Academic Year 2018-19, curriculum for Std. IX and XI has been upgraded and made at par with CBSE Board. Students of our school are better prepared to appear in the competitive exams at National level.

The Inauguration of ATL Lab on 30th June by the Honourable Education Minister of Gujarat, Shri Bhupendrasinh Chudasama has added a feather to the Innovations in Science and Electronics. The students' display of March-past, NCC Parade, and Meditation on the occasion was commendable. Selected students and teachers (who were trained in the ATL Lab) also excitedly and enthusiastically showed their "Robots" and other creations to the invited guests Dr. Ashok Singhvi, Chairman, Gujarat Science Academy, Dr. Narottam Sahoo, Advisor, GUJCOST, Shri Navneet Mehta, District Education Officer, Ahmedabad City, Shri Pradeep Parmar, MLA, Gujarat State who were specially invited for the function, were all in praise for the activities conducted by the school.

Shri Bhupendrasinh Chudasama prophesied that in the next 20 years, a Scientist will be nominated for the Noble Prize from among the gathering of these students. He saluted the Management, Teachers and students for their constant efforts. Dear members, in addition CA and CS Classes have begun in the premises. This will be particularly advantageous to the girl students. Future plans to start a school entirely for Science Stream is in the anvil. Combined efforts of the Management and the Trustees are sure to bear fruits for the years to come.

BABULAL SEKHANI
Convenor,
Sahpathi Committee

राजस्थान हिंदी हाई स्कूल की 1996 बैच के सहपाठी मित्रों की मीटिंग का विवरण।

"राजस्थान हिंदी हाई स्कूल की 1996 बैच के सहपाठी मित्रों की एक मीटिंग दिनांक 27 मई 2018 को संपन्न हुई जिसमे मुझे भी उपस्थित रहने का अवसर प्राप्त हुआ। मेरे साथ हमारी सहपाठी कमिटी के सह-कन्वीनर श्री राजेन्द्रजी बागरेचा भी इस मीटिंग में उपस्थित रहे।

इस मीटिंग का विवरण निम्नलिखित है।

"27 मई 2018 का दिन हम सबके जीवन के लिए एक यादगार दिन बन गया। 22 वर्षों के बाद 1996 की बैच के पुनर्मिलन में हम सब एक दूसरे से मिले और साथ समय बिताया। RHHS 1996 पुनर्मिलन आयोजन समिति सभी ट्रस्टी गण एवं शिक्षक गण का हार्दिक आभार व्यक्त करती है जिन्होंने हमारे आग्रह को स्वीकार कर इस समारोह में उपस्थिति प्रदान की और समारोह की गरिमा बढाई। विशेष रूप से राजस्थान सेवा समिति सहपाठी कमिटी के कन्वीनर श्री बाबुलालजी सेखानी, सह-कन्वीनर श्री राजेन्द्रजी बागरेचा, हमारे पूर्व प्रधानाचार्य आदरणीय जे पी पांडे सर, सभी शिक्षक गण, सभी ट्रस्टी गण ने कार्यक्रम में पधार कर हम छात्रों पर स्नेह और वात्सल्य की वर्षा की एवं आशीर्वाद प्रदान किया। सभी का यह उपकार हम जीवन भर नहीं भुला सकते और उनके प्रति हृदय की गहराइयों से कृतज्ञता ज्ञापित करते है।

इस कार्यक्रम के मुख्य आयोजक विजेंद्र खटोड़, संजय सोड़ानी एवं राकेश ओसवाल थे। इन्होने ही इस कार्यक्रम के आयोजन की नीव रखी और इनकी कड़ी मेहत और मार्गदर्शन से इस कार्यक्रम को सफलता के सिखर तक पहोचाया। राकेश ओसवाल का सभी सहपाठी मित्रो को जोड़ने में विशेष योगदान रहा है। सभी 96 बेच के छात्रों का डेटा इकट्ठा करना एक चुनौती था। स्कूल मैनेजमेंट से संपर्क किया और श्री अरविन्द भारद्वाज और स्कूल स्टाफ के सहयोग से हमें 1996 की जानकारिया उपलब्ध करवाई गई, इस हेतु हम स्कूल मैनेजमेंट के अत्यंत आभारी है। डॉ श्रीमती शांति शर्मा ने हमें हर तरह से मदद की और फिर धीरे धीरे एक दूसरे के सहयोग से कड़ी से कड़ी जुड़ती गयी और सभी साथियों से संपर्क संभव हो पाया। इस कार्य में पंकज कोठारी, कल्पना बैद, धीरज लूंकर, राजेश चोपड़ा, रेखा झाला, तरुण जैन का शविशेष योगदान रहा एवम् बहुत से साथियों का सहयोग मिला। विजेंद्र खटोड़ ने अपने सम्बोधन में इन सभी को मंच पर बुलाकर हृदय से सभी का आभार व्यक्त किया और स्पीच के दौरान एक फिल्म दिखाई गयी। वह फिल्म का निर्माण १९९६ बैच के विधार्थियो ने स्कूल में ही किया था। इस फिल्म को बहोत पसंद किया गया और सराहा गया।

इस समारोह में सहपाठी कमिटी के कन्वीनर श्री बाबुलालजी सेखानी ने अपने विचार व्यक्त किये और साथ साथ श्री जे. पी. पांडेय, डॉ श्रीमती शांति शर्मा, डॉ श्रीमती दुर्गा सिन्हा एवं सहपाठी कमिटी के सह-कन्वीनर श्री राजेंद्र बागरेचाजी ने अपने विचार व्यक्त किये। छात्रों की तरफ से विजेंद्र खटोड़,पंकज कोठरी, सारिका बाघरेचा, नीतू सालेचा,संजय वैद मेहता, रितेश सिरोइया, ललित जैन ने मंच से सभी को सम्बोधित किया और अपने मन के भाव प्रकट किये। इस समारोह का संचालन राजेश चोपड़ा ने किया और उनका साथ ललित जैन ने दिया।

पुनर्मिलन समारोह की सफलता सहपाठी मित्रों के सहकार के बिना नहीं हो सकती थी। सभी ने समय निकाल कर इस पुनर्मिलन समारोह में शिरकत की और इसे भव्य सफल बनाया।

नारायणी हाइट्स के मालिक श्री आनंद गुप्ता, श्री राजीव गुप्ता एवम् श्री संजीव गुप्ता का हम आभार करते है जिन्होंने न केवल समस्त सुविधाएँ उपलब्ध करवाई अपितु हमारे आमंत्रण का मान रख कर कार्यक्रम में भी पधारे। हम सभी वक्ताओं का भी हम आभार करते है जिन्होंने कार्यक्रम को सुंदर स्वरूप दिया। इस कार्यक्रम के नियोजन आयोजन में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से अनेकों लोगों का साथ-सहकार-सहयोग हमें प्राप्त हुआ जिसकी फलश्रुति रूप हम सभी का स्वप्न साकार रूप ले सका और भव्य दिव्य रूप में सफलता पूर्वक आयोजित हुआ, सभी के प्रति हृदय की गहराइयों से आभार-कृतज्ञता!! सभी के प्रति अनंत शुभकामनाएं!

BHANWARLAL JAIN
Convenor,
Rajasthan Bhawan Committee

राजस्थान हिंदी हाईस्कूल के सभी विभागों में पढाई का कार्य सुचारु रूप से चलते हुए, नये भवन निर्माण को केंद्र में रखते हुए सभी आवश्यक परिवर्तन किये जा रहे हैं। बच्चों एवं शिक्षकों को पानी पीने के लिए नये R.O प्लान्ट की व्यवस्था की जा रही है। ATL लैब में कलर काम, फर्नीचर आदि की व्यवस्था की गई है। नए लगभग 50 बेंचेस बनवाये। भवन के पीछे के भाग में किंडर गार्टन के बच्चों के लिए नयी क्लास की व्यवस्था तथा A.C लगवाए। बिजली, प्लम्बिंग तथा आवश्यकतानुसार सुधार किये जा रहे हैं।

मैंने भवन कमिटी की जिम्मेवारी की वजह से सभी कार्यों को संतोषपूर्ण करने का प्रयास किया है। सभी सदस्य एक जुट होकर इस कार्य में अपना योगदान दे रहे हैं जिसका हम सब को बेहद आनंद है।

"IT IS EASIER TO BUILD STRONG CHILDREN, THAN REPAIR A BROKEN SOCIETY."

VIVEKKUMAR SHROFF
Convener,
Computer Committee

The computer department at our schools functions in accordance with the philosophy of our Rajasthan Sewa Samiti for the benefit of our students by imparting them quality education in the best way possible.

The computer department installed a new projector, because of which, now we are able to use now projectors in multiple labs for teaching our students.

After the success of IT Quiz competition and IT Play with senior students, the computer centre organized IT Quiz for primary school students. Students participated with lot of enthusiasm. Prizes and certificates were given to the winners.

We are happy to welcome Mrs Karishma Patel who joined us as a teacher in the department.
The practical board exams of Std. 10 and Std. 12 were conducted in the centre. Extra practical classes were given to students of Std. 11 so that they can learn the concepts beforehand and have less load of Computer subject during their Std. 12.

We also had a very eventful summer vacation. The teachers took training of Adobe Illustrator (a graphics design software) from outside expert faculty Mr Dheerajbhai. They also took training of "Raspberry Pi"(a small computer used for projects) from Ashish, who is our ex-student and of WordPress (blogging software) from Mr Ravi Shah.

We are providing training to teachers in various topics so that they can in turn teach the students and ignite their interest in these areas. Classes were organized for students on GIMP (graphics image editing), Basic-256 (programming language) and Adobe Illustrator (graphics design).

There were two batches of each in which totally 75 students participated. They were given certificates, prizes and gifts. They all enjoyed the learning experience. We are confident of holding more such programs during next vacation.

Overall the teachers under guidance of Principals Shailaja madam, Ravi Sir, Sunita madam, Jayshree madam, Shri Talukdarji and head teacher Krishna madam worked very well as a team to give the best to the students.

All of them are very excited about the new upcoming school.

We invite parents to give their feedback and suggestions for the computer centre.

OMPRAKASH KEDIA
Convenor,
National Welfare Committee

राजस्थान सेवा समिति "सेवा परमो धर्म" की मूल भावना को संजोये हुए शिक्षा एवं चिकित्सा दोनों क्षेत्रों में समान रूप से, उदारवादी अभिगम से पूर्ण पुष्पित एवं पल्लवित है। साथ ही देश की वर्तमान व भविष्य में आनेवाली परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुये अपनी वर्तमान शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण परिवर्तन ला रही हैं।

हमें ऐसी वर्तमान शिक्षा की आवश्यकता है जो समय के अनुकूल हो। हमारी संस्था शिक्षा के क्षेत्र में नित नये-नये आमूल परिवर्तन कर रही हैं। विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए ATL लैब की स्थापना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

- स्वच्छता अभियान के अंतर्गत नए शौचालयों का निर्माण।
- अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल में कैंसर के मरीजों तथा उनके सम्बन्धियोंको निःशुल्क टिफिन सेवा।
- अन्य आपदा पीड़ित क्षेत्रों में आवश्यक राहत एवं बचाव कार्यों के लिए सदैव तत्पर।

इन्ही शुभ भावनाओं के साथ.......

CO-CONVENOR SHARES

RAJESH JAIN
Co-convenor,
Bulletin Committee

राजस्थान सेवा समिति के हम सारे सदस्यों के लिए यह गर्व की बात है कि समिति की "सेवा ज्योत" जो आजसे 57 वर्ष पूर्व प्रज्वलित हुई थी वह "सेवा ज्योत" आज भी उतनी ही दैदीप्यमान बनी रही है। मेरे लिए एवं हमारे कई सदस्यों के लिए तो यह, ओर भी गर्व की बात है क्यों की समिति के विकास में, हमारे परिवार के बड़ों का भी योगदान रहा है। साथ ही साथ, हमने हमारी पढाई भी समिति के विद्यालयों में प्राप्त की और अब समिति के लिए कुछ कर गुजरने का सौभाग्य हमें प्राप्त हुआ है।

मैंने "सेवा ज्योत" शब्द का प्रयोग इस कारण किया है कि राजस्थान सेवा समिति के हमारे मुखपत्र का नाम भी "सेवा ज्योत" है। मुखपत्र की कमिटी में हमारे कन्वीनर श्री सुभाषजी दसाणी की अध्यक्षता में कार्य करने का सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ है। राजस्थान सेवा समिति के हमारे दूर-द्रष्टा अध्यक्ष श्री गणपतराजजी चौधरी के मार्गदर्शन में "सेवा ज्योत" का पूरा ढांचा ही बदल चुका है। हमारे सब सदस्यों ने इसे काफी सराहा है।

राजस्थान सेवा समिति की "सेवा ज्योत" की अगर बात करें तो विद्यादान, आरोग्य विषयक सेवाएं एवं आपत्तिकाल कार्य हम शुरू से करते आये हैं। हमारे लिए काफी गर्व की बात है की समिति के सभी विद्यालय सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करते है जिसका श्रेय आचार्यगण एवं शिक्षकगण को तो जाता ही है, लेकिन उससे भी ज्यादा समिति के संचालक, ट्रस्टी एवं सदस्यों को जाता है जो अपना तन, मन, धन समिति के लिए दे रहे हैं और जिन्होंने कभी सेवा-कार्य में अपने-पराये का भेद कभी नहीं रख्खा है। हमारी राजस्थान हॉस्पिटल भी आरोग्य विषयक सेवाओं में एक खास मिशाल बनी हुई है और गुजरात की धरती पर जब जब आपत्ति आयी, तब तब राजस्थान सेवा समिति के साथी मित्रों ने तन-मन-धन से अपना योगदान दिया है।

हमारे सभी सदस्यों एवं समाज के नामी-ग्रामी लोगों, जिन-जिन के पास हमारा यह मुखपत्र पहुँच रहा है, उनसे हमारा नम्र अनुरोध है कि आप अवश्य हमारा यह मुखपत्र "सेवा-ज्योत" पढ़े, जिसमे हमारे विद्यालयों की गतिविधियां, हमारे विद्यार्थिओं की विशेषताएं, राजस्थान सेवा समिति के कार्यो का विवरण एवं कई सारे प्रेरित करने वाले लेख, हमने शामिल किये हुए हैं।

आप सब से हमारा आमंत्रण एवं आग्रह है कि आप भी सेवा-ज्योत को ओर फ़ैलाने के मिशन में, हमारे साथ जुड़ जाएं।

RAJENDRA BAGRECHA
Co-convenor,
Sahpathi Committee

जब भी सह-पाठीओं से मिलते है तो स्वतः ही विद्यार्थी जीवन की कई सारी यादें तरोताजा हो जाती है। और साथ ही साथ इस बात का भी विशेष अनुभव होता है कि हम सब कितने बदल चुके है। हम सब ने कई बार हमारी आज से 25 या 30 साल पुराणी तस्वीर देखी होगी और आसमान जमीं जैसे बदलाव का अनुभव किया होगा। लेकिन मुझे लगता है कि हम जिस मुकाम पर भी पहुंचे है वह हम सब के लिए आनंद और गौरव की बात है।

मैं हमेशा मानता हूँ कि युवा अवस्था एवं हमारी विद्यार्थी अवस्था वह समय होता है जब कोई भी चुनौती बड़ी नहीं लगती। ऐसा भी लगता है की जो चाहे कर सकते हैं और हमें कुछ नहीं हो सकता। अंग्रेजी में जिसको DANGEROUS LIVING कहते हैं। लेकिन मैं मानता हूँ कि समय के साथ जो ठहराव, जो अनुभव हम सब को प्राप्त होता है वह जीवन में आगे की मंजिल ओर भी आसान बनाता है।

हमारे कई सह-पाठी आज भी राजस्थान सेवा समिति के साथ सक्रीय रूप से जुड़े हुए हैं। उनके सहकार एवं सहयोग से ही समिति ने काफी प्रगति की हैं। हम सब शीघ्र ही एक नए भवन का निर्माण करने जा रहे हैं जिससे समिति के सारे विद्यार्थिओं को WORLD CLASS सुविधाएं तो प्राप्त होंगी ही लेकिन साथ साथ हम कई अन्य सारी सेवाकिय प्रवृतियां भी कर सकेंगे। नए भवन का कार्य एक बहुत बड़ी चुनौती हैं लेकिन हमारे अध्यक्ष श्री गणपतराजजी चौधरी की LEADERSHIP में कई सारे हमारे साथी इस कार्य को पूर्ण करने के लिए अपना तन, मन, धन देने के लिए अग्रसर हुए हैं। इस लिए यह कार्य जरूर पूर्ण होने वाला हैं। हमारी सारे सहपाठी दोस्तों से भी विनंती है की आप सब राजस्थान सेवा समिति के साथ और भी ज्यादा संपर्क में रहे और अपना बहुमूल्य सहकार एवं अनुभव का लाभ देते रहें।

अंग्रेजी लेखक जॉर्ज बर्नार्ड शो ने सही कहा है “मेरे लिए जीवन एक शीघ्र ही जलकर राख हो जाने वाली मोमबत्ती नहीं है, लेकिन एक सदाकाल प्रज्वलित रहने वाली मशाल है जिसे थामने का सौभाग्य मेरे जीवनकाल के दौरान मुझे प्राप्त हुआ है और मेरा कर्तव्य है कि इस मशाल को मैं इतनी ही प्रज्वलित रखके आनेवाली पीढ़ीओं के हाथ में सुप्रत करूँ।” हम सब भी निश्चय करके हमारे सुकर्मों से दुनियां को कुछ ओर अच्छी बनाये।

MADANLALJI RANKA
Co-convenor,
Rajasthan Hindi High School Committee

राजस्थान सेवा समिति के सदस्य के रूप में लगभग पिछले 22 वर्षों से मैं कार्य समिति के पद पर कार्यरत हूँ। हमारे गांव में गौशाला चलती है, जिसका ट्रस्ट अहमदाबाद में होने की वजह से श्री नेमिचंदजी बागरेचा एवं श्री सोहन राजजी चौधरी से मेरी मुलाकात समय-समय पर होती रहती थी, क्योंकि मैं गौशाला ट्रस्ट का ट्रस्टी था। श्री नेमिचंदजी ने मुझे सन् 1995-96 में राजस्थान सेवा समिति द्वारा संचालित राजस्थान हिंदी हाई स्कूल की समिति में शामिल किया। मैं दो बार स्कूल कमिटी के सह-संयोजक के पद पर रहा और पुनः 2017 में सह-संयोजक के पद पर आरूढ़ हुआ। सन् 1996 से आजतक 21 वर्षों से मैं स्कूल के शैक्षणिक कार्यों से जुड़ा हुआ हूँ।

मुझे राजस्थान स्थानकवासी संघ, राजस्थान जैन युवक संघ के ट्रस्टी के पद पर भी कार्य करने का मौका मिला। राजस्थान अस्पताल के कारोबारी समिति में पिछले 20 साल से जुड़ा हुआ हूँ।

विद्यालय के आचार्य और अध्यापकों के साथ समय-समय पर स्कूल की उन्नति एवं विद्यार्थियों की पढाई के बारे में परामर्श कर शैक्षणिक प्रवृतियों में मेरा पूरा सहयोग देता रहा हूँ।

प्रतिवर्ष विद्यालय के परिसर में कॉमर्स एवं विज्ञान के सेमिनार का आयोजन किया जाता है, जिसमें लगभग 30 स्कूलों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आमंत्रित किया जाता है और इनको प्रोस्ताहित करने हेतु PRL, ISRO एवं साइंस सिटी के वैज्ञानिकों को आमंत्रित किया जाता है साथ ही साथ बच्चों का उनसे साक्षात्कार भी करवाया जाता है।

हमारे विद्यालय में प्रतिवर्ष 10वीं एवं 12वीं कक्षा के विद्यार्थी बोर्ड में Top Ten में आते हैं। राजस्थान इंग्लिश हायर सेकेंडरी (सेल्फ फाइनेंस) में सन् 2001 से विज्ञानं प्रवाह की शरुआत की गई जिसमें आज तक हमारे कई विद्यार्थी अलग-अलग शैक्षणिक क्षेत्र में आगे की शिक्षा के लिए प्रवेश प्राप्त कर चुके हैं। जिसकी सूचि निम्नलिखित है।

SR. NO.	FIELD	NO. OF STUDENTS
1	MBBS	72
2	ENGINEERING	528
3	B.H.M.S.	22
4	BDS	38
5	MECHATRONICS	10
6	PHYSIOTHERAPY	35
7	B.PHARM	41
8	B. TECH (DAIRY)	10
9	B. TECH (ARCHITECT)	16
10	CEPT	13
11	D.E	23
12	B.SC	220
13	IIT	03
14	IIM	03
15	EDI	01
16	PILOT	03
17	CABIN CREW	04
18	MARINE	05
	TOTAL	**1047**

सन् 2017 में हमारी समिति में नए एवं उत्साही युवा अध्यक्ष श्री गणपतराज चौधरी का चयन हुआ। आज की युवा पीढ़ी के साथ उनका Interaction बहुत अच्छा है। उनमें काम के प्रति नई सोच, उमंग एवं उत्साह है। कई वर्षो से इस विद्यालय को एक नया रंग-रूप देने का मन सभी का था, आज वो सपना साकार होते नजर आ रहा है, इसका श्रेय भी आपही को जाता है।

श्री गणपतजी चौधरी के मार्गदर्शन में हमारे पूरे राजस्थान सेवा समिति भवन, जिसमे राजस्थान हिंदी हाई स्कूल भी शामिल है, इसका नव-निर्माण करने का निश्चय किया गया है, जिसके अंतर्गत दो Celler के साथ Ground Floor एवं आठ मंजिल की ईमारत बनाने का निर्णय लिया गया है। मुझे श्री गणपत राजजी के साथ 25 वर्षों पूर्व कार्य करने का अवसर मिला था और आज पुनः समिति में एक साथ कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ है। मैं और श्री भेरुलालजी हिरन सन् 1996 से स्कूल कमिटी में हैं, 1999 में वे संयोजक के पद पर आसीन हुए और मैं सह-संयोजक के पद पर कार्यरत हूँ। उनके मार्गदर्शन में मुझे बहुत कुछ सिखने का मौका मिला। इसका कारण उनकी सोच दस साल आगे की होती है।

समिति के सारे सदस्य, प्रधानाध्यापक, शिक्षकवृंद तथा विद्यार्थियों के लिए आचार्यश्री 1008 आनंदऋषिजी महाराज साहिब का निम्न पंक्तियों द्वारा संदेश प्रस्तुत है।

"तू लगा सके तो बाग़ लगा, तुम आग लगाना मत सीखो।
तू जला सके तो दीप जला, तुम दिल जलना मत सीखो।
तू बिछा सके तो पुष्प बिछा, तुम कांटे बिछाना मत सीखो।
तू लूटा सके तो कोष लूटा, तुम रोष लुटाना मत सीखो।

SANJAY HANSRAJ MITTAL
Co-convenor, National Welfare
& Information Committee

I studied in campus of Rajasthan School from 3rd standard till 12th standard and really feel proud to be the student of this unique school. Even after having passed the school 35 years back, the timeless sweet memories of those school-days, studies, sports & so many extra -curricular activities still linger in my heart. I still cherish with respect the memories of our Principal Late Shri NC Sharmaji & also all the teachers whom are remember as my Idols.

I associated with School Samiti since 1994, in a way to represent family. My elder brother Ashok Hansraj Mittal who is presently in New York (USA) and who is CEO of FINTECH GLOBAL providing Fintech Solutions & Services to the global giant players in Banking & Finance space also passed out from Rajasthan School in 1981. In fact he stood 1st in the city of Ahmedabad & 2nd in the whome of Gujarat State in Science stream. We have introduced 4 trophies to be awarded to encourage all the school topper students from all the stream of 12th standard & school topper from 10th standard by awarding them trophies in a program organised by school committee on 15th August every year.

For last 2 years, I am connected with the NATIONAL WELFARE & INFORMATION COMMITTEE of Rajasthan Sewa Samiti as its Co.Convenor.

Professionall I am Financial Advisor and into Wealth Management advising HNIs, NRIs, Corporate Clients including retail investors. Additionally, I am Founder Director of Fintech Global India Development Center at Infocity Gandhinagar, looking after Accounts & Audit, Legal & Compliance.

I have been life member of various social organizations in Ahmedabad and stay in touch with all of them through participating in their cultural & social programs.

Recently after new association with Rajasthan Sewa Samiti, I have been very much impressed and influenced with the working style, approach, dedication and aggression of our President Shri Ganpatrajji Chaudhary towards welfare activities, program, development and progress for school building.

Kudos and Best wishes to Shri Ganpatrajji Chaudhary and his team for all their future endeavors.

MADANLAL MEHTA
Co-convenor,
Rajasthan Bhawan Committee

श्री मदनलालजी मेहता राजस्थान के गढ़ सिवाना के मूल निवासी है परन्तु कई सालों से गुजरात को आपकी कर्मभूमि बनाते हुये आप राजस्थान सेवा समिति में कार्यकारिणी के स्थायी सदस्य रहे है।

सन् 2010 से 2013 तक ज्ञानोदय स्कूल कमिटी के आप सह-संस्थापक रहे और तत्पश्चात सन् 2013 से 2016 तक सह-संयोजक के रूप से अपनी सेवाएं प्रदान की।

गुजरात में आये भूकंप एवं प्राकृतिक आपदाओं के समय राहत एवं बचाव कार्य में सक्रीय रूप से आपने योगदान दिया। राजस्थान हॉस्पिटल, राजस्थान जैन युवक संघ, सिवाना सेवा समिति आदि में सक्रीय रूप से जुड़कर आप उमदा सेवाएं दे रहे हैं।

वर्तमान में आप राजस्थान भवन कमिटी में सह-संयोजक के रूप में कार्यरत हैं।

KUSHAL BHANSALI
Co-convenor,
Gyanodaya Hindi School Committee

Rajasthan Sewa Samiti, right since its inception in the year 1961, has time and again proved that it's a unique organization. I salute the founders who envisioned this organization and established it & all subsequent leaders who selflessly nurtured it throughout these years. Our elders have set an example for us, the new generation, how to rise above one's limited self and ceaselessly work for the people at large.

We are now all set to have Brand New multi-story premises under the visionary leadership of President Shri Ganpatrajji Chowdhary. It will surely open many new avenues & opportunities to effectively serve students at our schools in more effective manner. It will provide a platform to offer "Holistic" education to the students which will not only ensure the nurturing of their minds, but also their souls & bodies. It will also help providing vocational training which could be more job oriented. We will be able to modernize our curriculum to meet the demands of the modern time.

We should also establish a sort of "Teachers' Training Academy" because The Role of a Teacher is very valuable in nurturing the students. This is the essence of "Gurukul".

We will also be able to have more and more "Smart Classes" where many more courses can be offered and the personalities of our students can blossom to the fullest.

This entire vision of "Modern Multi-Story Premises" is truly laudable, because the opportunities such huge space & facilities would offer are unlimited. We can have a variety of seminars and especially the "Effective Parenting Seminars" which will serve twin purposes of giving the sense of ownership to the parents whose children study in our schools and secondly it will help make them better parents who in turn will nurture better students, the future citizens of India.

I salute this vision of our President, our revered Trustees and the Rajasthan Sewa Samiti as a whole.

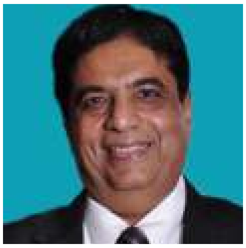

RAJENDRA BOTHRA
Co-convenor,
Gyanodaya Hindi School Committee

वर्षों से राजस्थान सेवा समिति और इसकी सहयोगी शैक्षणिक इकाइयों के प्रति, इनके महत्व के प्रति, इनसे जुड़े सेवा देने वाले महानुभावों के प्रति जानकारी थी, आदर था और लगाव था। कार्य समिति के वर्तमान सत्र के अन्तर्गत मुझे ज्ञानोदय प्राथमिक शाला की गतिविधियों के संचालन हेतु सहसंयोजक के रूप में मनोनीत किया गया जो मेरे लिये हर्ष, आनंद और सौभाग्य का सूचक है।

मुख्य संयोजक श्री तेजकरण जी लूणियां के निर्देशानुसार काम करने में समय, अनुशासन, परिपक्वता और पारदर्शिता के महत्व के बारे में जानने को मिला। प्रथम सहसंयोजक श्री कुशलराज जी भंसाली के अन्यान्य सभा संस्थाओं से जुड़े होने के कारण उनके अनुभवों से सीखने को मिलता है। सर्वोपरि माननीय अध्यक्ष के रूप में श्री गणपतराज जी चौधरी का मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन सतत प्राप्त होता रहता है। शाला के शिक्षा अधिकारी तथा पूरा स्टाफ़ अपने दायित्वों के प्रति सजग हैं। इतने सुंदर संयोग प्राप्त होने पर काम करने का आनंद ही कुछ और हो जाता है।

मुझे गर्व है कि मैं ऐसे संस्थान से जुड़ा हूँ जिसमें सर्वाधिक महत्व शिक्षा को दिया जा रहा है। आगामी बहुमंज़िला इमारत के प्रोजेक्ट के पूर्ण होने पर आधुनिक तकनीक से युक्त शिक्षा और सर्वोत्तम सुविधाओं के उपलब्ध होने पर संस्थान का महत्व कई गुना बढ़ जायेगा। मैं मेरी क्षमता के अनुरूप अपनी श्रेष्ठ सेवायें देने के लिये तत्पर हूँ, कटिबद्ध हूँ। मेरी शुभकामना है कि समिति दिन दूना रात चौगुना विकास करे और इसमें पढ़ने वाला हर विद्यार्थी देश का सबल, सफल और सक्षम नागरिक बने।

“COGITO, ERGO SUM” (“I THINK, THEREFORE I AM.”)

लैटिन भाषा में एक काफी प्रसिद्ध शब्द प्रयोग है, "कोगीटो , एर्गो सम।" इसका मतलब है, "मैं सोचता हूँ, इसलिए मेरा अस्तित्व है।" यह विचार फ्रांस के महान तत्व-चिंतक रेने डेसकार्टेस के हैं। प्राश्चात्य संस्कृति में उन्हें सबसे महान तत्व-चिंतकों में से एक माना जाता है। जब डेसकार्टेस को पूछा गया कि आपने यह शब्दों का प्रयोग क्यों किया तब उन्हों ने बताया कि पुरे संसार में अगर हम नज़र डाले तो एक भी चीज ऐसी नहीं है कि जिसका हमें सम्पूर्ण ज्ञान है, जिसके बारे में हमें किसीभी तरह के प्रश्न को उठाना जरुरी नहीं है। और हर वस्तु के बारे में संशय एवं प्रश्न होने के कारण ही मनुष्य के लिए हर वस्तु के बारे में सोचना जरुरी है और यह सोचने की शक्ति ही मनुष्य के अस्तित्व का, उसके मनुष्य होने का प्रमाण है।

डेसकार्टेस जानते थे कि अपनी इन्द्रियों के माध्यम से जिन चीजों का वह अनुभव कर रहे हैं, सिर्फ वह अनुभव के आधार पर ही वे किसी चीज का सत्य नहीं जान सकते हैं क्योंकि हमारा मस्तिष्क हमें धोखा देता भी है और दे भी सकता है। लेकिन हमारी यह हर वस्तु के बारे में प्रश्न करने की शक्ति ही प्रमाण है की हम सब जाग्रत मनुष्य हैं।

किसीने सच ही कहा है कि हमारी यह सोचने की शक्ति ही पूरी मनुष्य जाती को अद्वितीय बनाती है। ऐसा कहा जाता है कि संसार में हर एक वस्तु, हर एक ईमारत, हर एक शोध, का सृजन दो बार होता है। एक बार उसका सृजन हमारे मस्तिष्क, हमारी सोच में होता है और बाद में वह वस्तु, ईमारत या शोध धरती पर आकार लेती है।

इस बात से हम समज सकते हैं कि हमारी सोचने की शक्ति कितनी महत्वपूर्ण है। एक अच्छी सोच, समाज की ताकत बन जाती है और एक नकारात्मक विचार पुरे समाज को छिन्न-भिन्न कर देता है।

महान कवी रॉबर्ट ब्राउनिंग ने अपनी एक कविता में सुन्दर बात कही है, "मनुष्य एवं पशु/पक्षी में एक ही तफावत है। पशु/पक्षी खाना खोजने में लगे रहते है, खाना मिलने पर खा लेते हैं और फिरसे खाना खोजने की एवं खाना खाने की प्रक्रिया पुनः प्रारम्भ कर देते हैं। सिर्फ हम और आप, मनुष्य ही, खाने से ऊपर, हमारी दैनिक प्रक्रियाओं के ऊपर उठकर हमारे अस्तित्व, धरती पर हमारे प्रयोजन एवं अच्छे-बुरे में अंतर के बारे में हरदम सोचते रहते हैं।

लेकिन ऐसा नहीं लगता कि यह सोचने की शक्ति ही कई बार हमारे लिए अभिशाप बन कर रह जाती है? हर पल, बस सोचते ही रहते है, मस्तिष्क के लिए आराम मुश्किल हो जाता है और ऐसा लगता है शायद पागल हो जायेंगे। हम सब का कई बार अनुभव रहा है की कई सारी बातें ऐसी होती है जिसके बारे में ज्यादा सोचने से उस बातों में कोई मूल्य संवर्धन नहीं होता है।

सच बात तो यह है कि कई बार हम जितना गहराई में सोचते है सोचने की उतनी स्पष्टता, शुद्धता हम गँवा देते हैं।

इसी कारण अगर हमारी सोचने की शक्ति का हमें श्रेष्ठ उपयोग करना हो तो हमें हमारे जीवन को एवं हमारी सारी प्रवृतियों को वास्तविक जगत एवं वैचारिक जगत में बांटना होगा।

हमारे वैचारिक जगत को समृद्ध करने के लिए, उसे बल प्रदान करने के लिए, जीवन में हमें "ध्यान" अर्थात "मैडिटेशन" को स्थान देना पड़ेगा। जीवन में "अध्यात्म" एवं "सत्संग" लाना पड़ेगा और तभी हमारा वैचारिक जगत एवं आध्यात्मिक जगत समृद्ध होगा। मैं इसे "मेन्टल मेकअप" कहता हूँ।

एक बार ध्यान की शक्ति से "मेन्टल मेकअप" परिधान करने के बाद, हमारे वास्तविक एवं प्रवृतिमय जीवन में, हमारे हर कार्य में अच्छाइयां अपने आप आ जाएगी, उन्हें लाने के लिए सोचना नहीं पड़ेगा।

और सोचने की प्रक्रिया को विराम मिलने के कारण एवं जीवन का हर काम स्वतः ही अच्छा होने के कारण, एक आराम एवं आनंद का अनुभव होगा जिसका वर्णन करना मुश्किल है।

जब "विचार" एवं "ध्यान" यह दो शक्ति एक-रूप बनती है तब ही मानवता, दिव्यता में परिवर्तित होती है।

“WE DIDN’T GO INTO TEACHING TO GET RICH BUT TO ENRICH OTHERS.”

राजस्थान सेवा समिति - असाधारण एवं कार्यकारिणी बैठक

दिनांक 29 मई, 2018

राजस्थान सेवा समिति की कार्यकारिणी बैठक दिनांक 29/05/2018 मंगलवार को समिति के कांफ्रेंस हॉल में संपन्न हुई जिसका सञ्चालन समिति के अध्यक्ष श्री गणपतराज चौधरी ने किया था।

अध्यक्षश्री ने सहर्ष बतायाकि समिति द्वारा जारी किये गए संविधान संशोधन/ परिवर्तन/ परिवर्धन परिपत्र के माध्यमसे जो एक और लाभ हुआ है वह समितिके कई सारे सदस्य जो पता परिवर्तन या प्रतिनिधि परिवर्तन करवाना चाहते थे उनसे मिले पत्र, जिससे समिति की मेलिंग सूचि को अपडेट करनेमें सहूलियत मिली है।

अध्यक्षश्री ने कार्यकारिणी सदस्यों को बताया कि समिति द्वारा भेजे गए संविधान संशोधन/ परिवर्तन/ परिवर्धन सम्बन्धी परिपत्रों में से 1119 परिपत्र वापस प्राप्त हुए जिनमे से 1088 सदस्यों ने संविधान संशोधन/परिवर्तन/परिवर्धन के लिए अपना अनुमोदन दिया है। वापस मिले हुए परिपत्र में से 24 परिपत्र एक या दूसरे रूप से अपूर्ण थे और 8 सदस्यों ने प्रस्तावित किये हुए संविधान संशोधन/ परिवर्तन/ परिवर्धन में एक या दूसरे मुद्दे पर अपना अनुमोदन नहीं दिया। अध्यक्षश्री ने बताया कि समिति द्वारा प्रस्तुत संविधान संशोधन/ परिवर्तन/ परिवर्धन के प्रति आवश्यक 75% सदस्यों से अधिक अनुमोदन प्राप्त हो चूका है। उन्होंने कार्यकारिणी के सदस्यों एवं समिति के ट्रस्टीओं को इस कठिन कार्य में अपना बहुमूल्य योगदान देने के लिए धन्यवाद दिए। मानदमंत्री श्री श्यामजी टिबड़ेवाल ने इस कठिन कार्य को संपन्न करने के विषय में अध्यक्षश्री के नेतृत्व की भी प्रशंसा की जिसे कार्यकारिणी के सदस्यों ने अनुमोदन दिया। अध्यक्षश्री द्वारा प्रस्तुत उपर्युक्त वापस मिले हुए संविधान संशोधन / परिवर्तन / परिवर्धन परिपत्र पर समिति ने चर्चा कि और सर्वसम्मति से उन्हें पारित किया।

समिति ने सर्वसम्मति से संविधान संशोधन / परिवर्तन / परिवर्धन पारित करने की प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु असाधारण सामान्य सभा दिनांक 18/06/2018, सोमवार को बुलाने के लिए निर्णय लिया।

दिनांक 18 जून 2018

राजस्थान सेवा समिति की असाधारण सभा दिनांक 18 जून 2018 को, समिति के शाहीबाग स्थित प्रांगण मे संपन्न हुई। सभा का प्रमुख एजेंडा राजस्थान सेवा समिति के संविधान में परिवर्तन/परिवर्धन हेतु भेजे गए "संशोधन पत्र" के सन्दर्भ में आये उत्तरों पर चर्चा करना था।

इस सभा में अध्यक्षश्री गणपतराजजी चौधरी ने दिनांक 22 फरवरी, 2018 के रोज संपन्न हुई असाधारण सभा का भी दौरा दिया जिसमें संविधानमे संशोधन के बारे में सम्पूर्ण विवरण सदस्यों को दिया गया था और सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि वर्तमान संशोधन के प्रावधान को ध्यान में रखते, संविधान संशोधन के लिए सदस्यों के विचार जानने हेतु एक पत्र समिति के सारे सदस्यों को भेजा जाय।

दिनांक 18 जून 2018 की असाधारण सभा में अध्यक्षश्री ने सहर्ष बताया कि समिति के 1128 सदस्योंने "संशोधन पत्र" के सन्दर्भ में अपनी प्रतिक्रिया भेजी जिनमे से 1103 सदस्यों ने "संविधान संशोधन परिवर्तन/परिवर्धन" के लिए अपनी सहमति प्रदान की। 8 सदस्यों ने अपनी असहमति बताई और एक या दूसरे कारण 17 सदस्यों द्वारा वापिस मिले "संशोधन पत्र" अयोग्य तय हुए।

अध्यक्षश्री ने अपनी ख़ुशी व्यक्त की कि 1128 सदस्यों अर्थात 79% सदस्यों ने अपनी प्रतिक्रिया भेजी जिससे उनकी समिति के कार्यों में दिलचस्पी व्यक्त होती है। अध्यक्षश्री ने सहर्ष घोषित किया कि 78% सदस्यों ने संविधान संशोधन के लिए दी हुई सहमति संवैधानिक आवश्यकता को पूर्ण करती है और अब हम आगे की संविधानिक औपचारिकताएं पूर्ण करने का कार्य प्रारम्भ करेंगे। अध्यक्षश्री गणपतराजजी ने बताया कि समिति का रवैया रहा है की सारे सदस्यों को साथ लेकर आगे बढ़ना और यह परंपरा हमने कायम रखी है।

उन्होंने अपनी एवं समिति की ओर से उन सब सदस्योंको धन्यवाद दिया जिन्होंने नए भवन निर्माण हेतु रुपया 51,00,000 की धनराशि देने के लिए अपनी स्वीकृति दी है। और उन सदस्यों का भी धन्यवाद किया जो अपने तन, मन एवं धन के माध्यम से समिति के कार्यों में एवं नए भवन निर्माण के अभियान में अपना सहयोग देते रहे हैं।

राजस्थान सेवा समिति - असाधारण एवं कार्यकारिणी बैठक

दिनांक 04 जुलाई, 2018

राजस्थान सेवा समिति की कार्यकारिणी सभा 04 जुलाई, 2018 को संपन्न हुई। समिति के अध्यक्ष श्री गणपतराजजी चौधरी ने इस सभा का संचालन किया। सभा में विगत बैठक की कार्यवाही सहमंत्री श्री राजेन्द्रजी बागरेचा ने पढ़ी और इसे सर्व-सम्मति स्वीकृत किया गया।

बैठक के समक्ष सदस्यता फॉर्म स्क्रूटिनी कमिटी द्वारा सदस्यों के पास से मिले पता परिवर्तन एवं प्रतिनिधि परिवर्तन के आवेदन पत्र रखे गए और वह स्वीकृत किये गये। बैठक में राजस्थान सेवा समिति द्वारा ही एक नयी विद्यालय स्थापित करने के बारे में भी चर्चा हुई। अध्यक्षश्री ने बताया की जमीन के भाव बढ़ते जाते हैं और टाइटल क्लियर वाली जमीन भी मुश्किल से मिलती है फिर भी उचित जमीनों की तपास जारी है।

वर्तमान में चल रहे बिल्डिंग रिपेयर कार्य के स्वीकृत बजट के सामने बढे हुए खर्च के बारे में भी बैठक में चर्चा हुई और रिपेयरिंग कार्य पूर्ण करने के लिये बजट राशि बढ़ाने का निर्णय हुआ। निति आयोग के निर्देशानुसार बन रही अटल टिंकरिंग लेबोरेटरी का आय/खर्च अलग से सरकारी नियमों के अनुसार राजस्थान हिंदी हाई स्कूल में रखा जाय ऐसी सुचना दी गयी।

अध्यक्षश्री ने बताया कि राजस्थान सेवा समिति की उत्कृष्ट कार्यशैली को देखते हुए, गुजरात राज्य के शिक्षण मंत्री श्री भुपेन्द्रसिंहजी चूडास्मा ने अटल टिंकरिंग लेबोरेटरी के उद्घाटन समारोह में समिति की काफी सराहना की और हमें विज्ञान शाखा के लिए नयी विद्यालय प्रारम्भ करने हेतु जमीन देने के लिए आश्वासन भी दिया। इस विषय में राजस्थान हिंदी हाई स्कूल कमिटी के कन्वीनर श्री भेरुलालजी जैन ने ओर जानकारी दी।

इस विषय के बारे में गुजरात सरकार के शिक्षण विभाग के समक्ष योग्य प्रस्ताव रखने हेतु एक कमिटी की रचना भी की गयी और कमिटी के सदस्य तय किये गए, जिनके नाम प्रस्तुत है: **1) श्री भेरुलालजी जी. जैन (कन्वीनर), 2) श्री दीपचंदजी बाफना (सदस्य), 3) श्री पृथ्वीराजजी कांकरिया (सदस्य), 4) श्री गौतमजी जैन (सदस्य), एवं 5) श्री दिनेशजी दागा (सदस्य)**। समिति के अध्यक्ष श्री गणपतराजजी चौधरी एवं समिति की मानद् मंत्री श्री श्यामजी टिबड़ेवाल अपने पद के हिसाब से इस कमिटी के सदस्य रहेंगे।

पुनर्मिलन 1996

96 के बाद, दो दशक गये थे बीत
पुनर्मिलन की शुभ बेला में, मिले है फिर बिछड़े मीत।
हो गयी ताजा सारी, बचपन की वो बातें,
राजस्थान स्कूल ने दी थी, जो अनुपम सौगाते।।

आदरणीय शिक्षक गण व प्यारे सहपाठी मित्रों, 27 मई, 2018 का दिन हम सभी के जीवन में एक यादगार दिन बन गया। 22 वर्षों के बाद 1996 की बैच के पुनर्मिलन में हम सब एक दूसरे से मिले और एक साथ समय बिताया। RHHS 1996 पुनर्मिलन आयोजन समिति, ट्रस्टी एवं शिक्षक गण का हार्दिक आभार करती है। जिन्होंने हमारे आग्रह को स्वीकार कर इस समारोह में अपनी गरिमामय उपस्थिति दी। विशेष रूप से हमारे भूतपूर्व प्रधानाचार्य आदरणीय श्री जे. पी. पांडेय सर एवं सभी शिक्षकों ने कार्यक्रम में पधारकर हम छात्रों पर स्नेह और वात्सल्य की वर्षा की, हमें जीवन में आगे बढ़ने के लिये मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्रदान किया। हम तमाम शिक्षकों का यह उपकार जीवन भर नहीं भूला सकते और उनके प्रति हृदय की गहराइयों से कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं।

“पुनर्मिलन समारोह" की सफलता आप सभी सहपाठी मित्रों के बिना नहीं हो सकती थी। आप सभी ने समय निकाल कर इस पुनर्मिलन समारोह में शिरकत दी और इसे सफल बनाया उस हेतु पुनर्मिलन आयोजक समिति आप सभी का हार्दिक आभार व्यक्त करती है।

96 बैच के सभी छात्रों का डेटा इकठ्ठा करना एक चुनौती पूर्ण कार्य था। हम सभी ने शाला प्रबंधक का संपर्क किया और श्री अरविन्द भारद्वाज सर और स्कूल स्टाफ के सहयोग से हमें 1996 के रिकार्ड्स उपलब्ध करवाये गये। इस कार्य के लिये हम शाला प्रबंधक के अत्यंत आभारी हैं। फिर धीरे धीरे एक-दूसरे के सहयोग से कड़ी से कड़ी जुड़ती गयी और सभी साथियों से संपर्क संभव हो पाया। इस कार्य में बहुत से साथियों का सहयोग मिला उन सभी के प्रति भी हम हृदय से आभारी हैं। नारायणी हाइट्स के मालिक श्री राजीव गुप्ता, संजीव गुप्ता का हम आभार प्रकट करते हैं। जिन्होंने न केवल समस्थ सुविधाएं उपलब्ध करवाई अपितु हमारे आमंत्रण का मान रखकर कार्यक्रम में भी पधारे। इला डांस अकादमी एवं सभी वक्ताओं का भी हम आभार व्यक्त करते हैं। इस कार्यक्रम के नियोजन आयोजन में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से अनेकों लोगो का साथ-सहकार-सहयोग हमें प्राप्त हुआ जिसकी फलश्रुति रूप हम सभी का स्वप्न साकार रूप ले सका और भव्य, दिव्य रूप से सफलता पूर्वक कार्यक्रम आयोजित हुआ। सभी के प्रति हृदय की गहराईओं से आभार एवं कृतज्ञता। सभी के प्रति अनंत शुभकामनाएं।

सहपाठी (1996)

RAJASTHAN SEWA SAMITI

- STEPPING TOWARDS NEW HORIZONS

राजस्थान सेवा समिति नयी ईमारत - नए आयाम

राजस्थान से आकर जिन मित्रों ने गुजरात को अपनी कर्मभूमि बनाया है, उन सब मित्रोंने इस धरती पर कई मील के पत्थर स्थापित किये हैं। निःसंदेह उनमें से एक है शाहीबाग अहमदाबाद में स्थित "राजस्थान सेवा समिति"।

राजस्थान सेवा समिति द्वारा स्थापित राजस्थान हॉस्पिटल आज अपने आप में एक मिसाल बन चुकी है। समिति द्वारा स्थापित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के माध्यम द्वारा स्थापना से आज तक विद्यार्थियों ने क्वालिटी एज्युकेशन प्राप्त किया है।

राजस्थान सेवा समिति के लिये यह गौरव का विषय है कि यहाँ से शिक्षित अनगिनत विद्यार्थी विभिन्न संस्थाओं में उच्चतम पदों को सुशोभित कर रहे हैं। ऐसे महानुभाव आज भी समिति द्वारा प्राप्त संस्कार, शिक्षण और विभिन्न विशेषताओं के लिए हृदय से आभार की अभिव्यक्ति करते है।

नगर के जाने माने उद्योगपति, राज्य और केंद्र सरकार के उच्च पदों पर आसिन विशिष्ट अधिकारी, अलग अलग व्यवसायों में शिखर पर पहुंचे व्यापारी गण जब अपने अध्ययन काल को याद करते हैं तो वे बड़े स्नेह, आदर और सम्मान के साथ अपने सफल जीवन के नींव स्वरुप राजस्थान सेवा समिति का नाम अवश्य याद करते हैं।

आप सभी महानुभावों ने तन, मन और धन से समाज को बहुत कुछ अर्पण किया है। जिस समाज और जिस संस्थाओं से आपने बहुत कुछ पाया है, उनमें राजस्थान सेवा समिति हमेशा आपके दिल के करीब है और रहेगी।

जब भी पुराने विद्यार्थी शाला के पट्टागंण में प्रवेश करते है, बहुत सी यादें तरोताजा हो जाती हैं। वो ख़ुशी भरे दिन, तनाव मुक्त जीवन, खेलकूद के पल, टिफिन खोल कर मित्रों के साथ भोजन, आचार्यगण ओर गुरुजनों से श्रेष्ठ शिक्षण, चारित्र्य निर्माण के सुनहरे क्षण कभी भुलाये नहीं भूलते।

राजस्थान सेवा समिति अपने स्वर्णिम इतिहास के आधार पर कुछ नये आयाम स्थापित करने जा रही है। समिति द्वारा एक ऐसे भवन निर्माण का निर्णय लिया गया है जो न केवल अत्याधुनिक होगा, बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विद्यार्थियों को बहेतरीन सुविधायें, स्मार्ट अध्ययन वर्ग और सम्पूर्ण शिक्षण के अवसर सालों सालों तक उपलब्ध करा सकेगा और प्रत्येक विद्यार्थी पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान देने के हमारे लक्ष्यको वास्तविक रूप प्राप्त हो सकेगा।

सात मंजिल के इस भव्य भवन में शिक्षण की वर्तमान आवश्यकतायें तो पूर्ण होंगी ही, संस्था के इस नये सेवा संकुल में बहुत से नये विद्यार्थी भी आकर्षित होंगे जिन्हे श्रेष्ठतम शिक्षा के अतिरिक़्त कई विविध प्रवृतियां करने का अवसर प्राप्त होगा।

स्नेही स्वजन, हमें आपके सहयोग की अपेक्षा है जिससे हमारा यह स्वप्न- "राजस्थान सेवा समिति - नयी ईमारत - नये आयाम" परिपूर्ण हो सके।

शिक्षा प्राप्ति - अर्थ उपार्जन - कृतज्ञता

राजस्थान सेवा समिति के संदर्भ में हमने जीवन के तीन पड़ाव पूरे किये है -

शिक्षा प्राप्ति - अर्थ उपार्जन - कृतज्ञता

शिक्षा प्राप्ति: अपने जीवन के प्रथम पड़ाव के उन अनमोल दिनों को हम कैसे भूल सकते हैं, जहां हमने अपने बचपन ओर किशोरावस्था के अमूल्य दिन व्यतीत किये। हमारे इसी विद्यालय में हमने श्रेष्ठ आचार्य और समर्थ गुरुजनों से जीवन निर्माण का प्रथम अध्याय पढ़ा। उन्होंने न केवल हमारा जीवन संवारा बल्कि कच्ची मिट्टी को सुन्दर घट के रूप में परिवर्तित कर हमारा व्यक्तित्व सृजन किया। वास्तव में हम हमारे विद्यालय, स्थापक, आचार्यगण ओर गुरुजनों के ऋण से कभी उऋण नहीं हो सकते।

अर्थ उपार्जन: उसी अतुल्य शिक्षा के आधार पर ही हम धन कमाने और संचय करने में समर्थ हुए। अपने में हम आत्मविश्वास का सर्जन कर सके जिससे हमें धन, पद, प्रतिष्ठा प्राप्त करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। व्यावसायिक विभिन्न क्षेत्रों में अनेक सीमा चिन्हों को पार किया और भविष्य की पीढ़ियों के लिये आधार स्थापित किया।

कृतज्ञता: अब समय है कि हम हमारी जीवन निर्मात्री संस्था के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कुछ ठोस कार्य कर सकें। इसी कृतज्ञता के फल स्वरुप हमारे नए भवन के निर्माण में सहयोग प्रदान करें जिससे भविष्य में पढ़ने वाले विद्यार्थी

उच्चस्तरीय अध्ययन प्राप्त करे, जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करते हुए स्वयं बड़े आदमी बनें, विद्यालय का नाम भी रोशन कर सकें। शिक्षा और सेवा का यह सिलसिला अविरत, अटूट और निर्बाध चलता रहे।

हमारे संगठित प्रयासों से यह सेवा ज्योति हमेशा कायम रहे। आपके तन-मन-धन से सहयोग के लिये राजस्थान सेवा समिति आपसे निवेदन करती है।

नये भवन की प्रमुख विशेषताएं

भवन के निर्माण कार्य के लिये प्रतिष्ठित इंजीनियर्स और आर्किटेक्ट्स को चुना गया है। इस भवन के आर्किटेक्ट्स के लिये "विस्तार आर्किटेक्ट्स एवं इंटीरियर डिज़ाइनर" का चयन किया गया है।

नए भवन में सात मंजिल के अलावा दो बेसमेंट बनेंगे। कुल 1,39,430 वर्ग फ़ीट स्थान उपयोग के लिये उपलब्ध होगा।

नए भवन का बिल्ड अप एरिया

फ्लोर	फेज प्रथम (sq.ft.)	फेज द्वितीय (sq.ft.)
बेसमेंट 1	14,000.00	5,875.00
बेसमेंट २	14,000.00	5,875.00
ग्राउंड फ्लोर	6,995.00	3,980.00
प्रथम, दूसरी और चौथी से आठवीं मंजिल	48,965.00	27,045.00
तीसरी मंजिल एवं एम्फी थिएटर	8,715.00	3980.00
कुल एरिया	92675.00	46,755.00
टोटल फेज 1&2	Total Sq.ft.	1,39,430.00

- विशाल और हवादार विद्यागृह से हर वर्ग में कम विद्यार्थी और हर विद्यार्थी पर अधिक ध्यान देने का हमारा लक्ष्य परिपूर्ण होगा।
- राजस्थान सेवा समिति विद्यासंकुल में अभी 3500 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करते हैं। नये भवन के माध्यम से हम ज्यादा विद्यार्थियों को श्रेष्ठतम शिक्षा देने की व्यवस्था कर पायेंगे।
- शिक्षा का नया अभिगम जिसे "स्मार्ट क्लास रूम" कहते हैं वह नये भवन से संभव हो पायेगा।
- भवन के अंदर ही इंडोर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स बनाया जायेगा।
- भवन में ओपन एयर थिएटर की सुविधा भी होगी।
- आधुनिक सभागर बनेगा जिसमे अच्छी श्रवण-सुविधाएं (Acoustics) उपलब्ध कराई जायेगी।
- भवन के अंदर विद्यार्थियों को शिक्षा और सूचना माध्यम वाले चलचित्र दिखा पायेंगे।
- भवन में उच्च कोटि के दो पुस्तकालय बनाने का हमारा प्रावधान है।

राजस्थान सेवा समिति नयी ईमारत - नए आयाम

- नये भवन में कॉन्फ्रेंस रूम और बोर्ड रूम्स भी होंगे जिससे न सिर्फ समिति के पदाधिकारी और ट्रस्टी विचार विमर्श कर सकेंगे बल्कि हम अन्य विद्यालयोंके साथ भी विविध प्रवृतियां कर सकेंगे।

- नए भवन में सुसज्जित प्रयोगशालाओं के अलावा ATL अर्थात अटल टिंकरिंग लेबोरेटरी भी तैयार की जायेंगी।

- संगीत की शिक्षा के लिये एक विशेष कक्ष बनाया जायेगा।

- नये भवन में एन.सी.सी रूम की सुविधा भी होंगी।

- विद्यासंकुल में आनेवाले सभी विद्यार्थी, अध्यापकगण, आगंतुक और अतिथियों के लिए अच्छी पार्किंग सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

राजस्थान सेवा समिति - साल 1961 से मानवसेवा में प्रवृत

सचमुच राजस्थान सेवा समिति हमारी संस्था के मूल में ही मानवता, करुणता, कार्य क्षेत्र में श्रेष्ठता अभिगम, भविष्य के लिए दीर्घदृष्टि और बदलते वक्त के साथ बदलते रहने का रवैया कायम रहा है।

सन 1961 के मई माह में राजस्थान समिति का गठन हुआ और सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 और मुंबई पब्लिक ट्रस्ट एक्ट 1950 के अंदर समिति का पंजीकरण हुआ।

वास्तविक रूप में राजस्थान सेवा समिति के लिए पसंद किये चित्रित सूत्र में ही संस्था के स्थापकों का नजरिया दिखाई देता है। वह चिन्ह है, "सेवा परमो धर्म।"

1961 से आज तक समिति की तीन अहम् प्राथमिकताएं रही है: -

- आपत्तिकाल में मानवता के कार्य
- आरोग्य और चिकित्सा सेवाएं
- विद्या - अध्ययन को प्राथमिकता

साल 1961 से लेकर आज तक जब भी समाज के सामने मानव प्रेरित या फिर प्राकृतिक प्रकोप के परिणाम स्वरुप समस्या आई तब त्वरित गति और उदार हृदय से राजस्थान सेवा समिति ने अपना श्रेष्ठतम योगदान, धनराशि और मानव संसाधन के द्वारा सहायता की है।

हमारे आरोग्य और चिकित्सा सेवाके अंतगत हीं राजस्थान चिकित्सालय की स्थापना हुई और आज यह अग्रिम संस्था अपने आप में एक आयाम कायम कर चुकी है। न सिर्फ गुजरात और राजस्थान लेकिन पूरे भारतवर्ष से लोग चिकित्सा के लिये राजस्थान हॉस्पिटल्स में आते है और वहां उपलब्ध श्रेष्ठतम चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाते है।

राजस्थान सेवा समिति का प्रमुख अभिगम, शिक्षण सुविधाओं को शुरू से आज तक काफी सराहा गया है। कई पीढ़ियों के विद्यार्थियों ने हमारे विद्यालय में अपनी शिक्षा प्राप्त की है और आज समाज के अनगिनत क्षेत्रों में सब ने काफी नाम और मान-सम्मान पाए है। हमारे बहुत से पूर्व विद्यार्थी आज राजस्थान सेवा समिति के संचालन में भी अपना शानदार योगदान दे रहे है।

सच तो यह है कि राजस्थान सेवा समिति एक ऐसी संस्था है जिसके विद्यालय में संस्था के ट्रस्टी और स्थापकगण के बच्चों ने भी अपनी शिक्षा प्राप्त की है। हमारे विद्यालयों के उच्चतम शिक्षण का इससे अच्छा प्रमाण क्या हो सकता है?

"विश्वास और सच्चाई" पहले से हमारे आधारस्तम्भ बने रहे है।

इसी वजह से पांच दशक से भी ज्यादा समय से यह संस्था अपने आप में एक मिसाल बनी रही है। सन 1964 में पहली बार हमारे विद्यालय से बोर्ड की परीक्षा में पहली बार ही हमारे विद्यार्थियों ने पूरे गुजरात राज्य में द्वितीय अव्वल स्थान प्राप्त किया था।

राजस्थान सेवा समिति - अतीत और वर्तमान का सुभग संगम।

किसी भी संस्था जिस बात पर सब से ज्यादा गर्व अनुभव कर सकती है वह है उस संस्था का उतना ही सुसंगत वर्तमान में होना जितना सुसंगत वह संस्था अतीत में रही थी। राजस्थान सेवा समिति के लिए इस बात का प्रमाण है संस्था के स्थापक परिवारों के सदस्यों का समिति के साथ वर्तमान में भी उतना ही लगाव। 1961 में जब राजस्थान सेवा समिति की स्थापना हुई तब हमारे अध्यक्ष रहे थे श्री झाबरमलजी भोजनगरवाला। समिति के लिए यह गौरव की बात है कि उनके परिवार से श्री रमाकांतजी भोजनगरवाला और अन्य सदस्य समिति के कार्यों के साथ आज भी इतना ही जुड़े हुए हैं। वास्तव में ऐसे अनगिनत परिवार है और हमारे नए भवन में इन्हीं परिवारों में से कई सदस्यों ने अपना योगदान देने के लिए भी अपनी स्वीकृति दी है। पीढ़ियां बदली हैं लेकिन राजस्थान सेवा समिति और इनके कार्य आज भी इतने ही सुसंगत हैं।

एक अनमोल विरासत

हमारे जिन महान पूर्व अध्यक्षों के अथक परिश्रम से आज राजस्थान सेवा समिति गौरवान्वित है उन्हें याद करना हमारा सौभाग्य है।

1) श्री झाबरमलजी भोजनगरवाला
2) श्री कृष्णजी अग्रवाल
3) श्री विजयनरायणजी सोमाणी
4) श्री गोरधनदासजी गुप्ता
5) श्री अशोककुमारजी डागा
6) श्री बृजभूषणलालजी काबरा
7) श्री खीमराजजी जैन
८) श्री गौतमकुमारजी जैन
9) श्री श्यामसुन्दरजी रूंगटा

हमारे वर्तमान ट्रस्टीज

1) श्री बाबुलालजी रूंगटा
2) श्री खीमराजजी जैन
3) श्री तेजकरणजी लूणिया
4) श्री रमाकांतजी भोजनगरवाला
5) श्री गौतमजी मिठालालजी जैन

उज्जवल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध राजस्थान सेवा समिति - हमारे वर्तमान पदाधिकारी

- श्री गणपतराजजी चौधरी, अध्यक्ष
- श्री बाबुलालजी सेखानी, उपाध्यक्ष
- श्री भेरुलालजी चौपड़ा, उपाध्यक्ष
- श्री श्यामसुन्दरजी टिबड़ेवाल, मानद मंत्री
- श्री राजेन्द्रकुमारजी बागरेचा, सहमंत्री
- श्री सम्पतजी दसाणी, कोषाध्यक्ष

श्री गणपतराजजी चौधरी, हमारे वर्तमान अध्यक्ष

हमारे वर्तमान अध्यक्ष श्री गणपतराजजी चौधरी, राजस्थान सेवा समिति के पूर्व अध्यक्षगण की अनमोल उपलब्धियों का जिक्र करते हुए, बार बार कहते है कि समिति का अध्यक्ष होना उनके लिए एक गौरवपूर्ण पद से भी विशेष, मानो एक तपश्चर्या है। जिस समाज से हमने पाया है, उसी समाज के प्रति कुछ ठोस योगदान देने का शुभ अवसर है।

राजस्थान सेवा समिति की उज्जवल परम्परा को न केवल कायम रखने बल्कि ओर अधिक उज्जवल बनाने का दृढ निश्चय है। राजस्थान सेवा समिति नए भवन निर्माण करने जा रही है इसे वर्त्तमान अध्यक्ष श्री गणपतराजजी अपना सौभाग्य समझते हैं। उन्हें विश्वास है कि सभी ट्रस्टीज, पदाधिकारी, विभिन्न कमिटियों के कन्वीनर, आचार्यगण, शिक्षकगण और संस्था के सहयोगी, सच्चे हृदय से इस महत्वाकांक्षी कार्य में उनके साथ हैं।

राजस्थान सेवा समिति - हमारी शैक्षणिक संस्थाए

- राजस्थान हिंदी हाई स्कूल
- राजस्थान इंग्लिश हायर सेकंडरी स्कूल (सेल्फ-फाईनान्स)
- ज्ञानोदय हिंदी प्राथमिक शाला
- ज्ञानोदय इंग्लिश माध्यम प्राथमिक शाला
- ज्ञानोदय शिशु मंदिर
- राजस्थान इंस्टिट्यूट ऑफ़ प्रोफेशनल स्टडीज

राजस्थान सेवा समिति ने शिक्षा से जुडी अपनी प्रवृति का प्रारंभ सन 1962 में राजस्थान हिंदी हाई स्कूल की स्थापना से किया। शुरू से संस्था के लिए एक बात स्पष्ट रही कि संस्था के लिए श्रेष्ठ आचार्य और अध्यापकगण नियुक्त करने हैं फल स्वरुप पहले वर्ष से ही हमारे विद्यार्थी विभिन्न कसौटियों में शानदार प्रदर्शन करते आये हैं और यह सिलसिला आज पचपन साल के बाद भी जारी है।

हमें अत्यंत गौरव है कि सन 2017 के लिए "जिल्ला शिक्षण अधिकारी श्री" ने "राजस्थान हिंदी हाई स्कूल" को पूरे अहदाबाद जिले की प्रथम दस शालाओं में से एक शाला घोषित किया है। इतने लम्बे समय की अवधि में हमारे अनगिनत विद्यार्थयों ने मेडिकल, डेंटल, इंजीनियरिंग, IIT जैसे अभ्यास के लिए प्रवेश प्राप्त किया है। पूर्व में हमें "जिल्ला शिक्षण अधिकारी", "गुजरात शिक्षण बोर्ड", "नेशनल कैडेट कॉर्प्स", जैसी कई संस्थाओं की और से अविरत सराहना मिलती रही है।

राजस्थान सेवा समिति भली भांति जानती है कि बच्चे मानो कच्ची मिटटी के पिंड है और उन्हें एक बेहतरीन ढांचे में ढालना, उन्हें सच्चाई, उदारता, सहिष्णुता, निरपेक्षता, जीवन के प्रति उत्साह और समाज के लिए कुछ कर गुजरने की सोच देना, हमारे विद्यालय का प्रथम कर्त्तव्य है।

राजस्थान सेवा समिति नयी ईमारत - नए आयाम

राजस्थान सेवा समिति की हमेशा प्राथमिकता रही है कि हर बच्चे का सर्वांगीण विकास होना चाहिए। इसी वजह से हमारे विद्यालय में शिक्षण के अलावा विज्ञान, कला, चित्रकारी, संगीत, वक्तृत्व, नेतृत्व जैसे अनगिनत विषयों की ओर बच्चों को आकर्षित करना हमारा लक्ष्य रहा है।

आइए साथ मिलके नयी ईमारत से नए आयाम कायम करें

राजस्थान सेवा समिति के नये अत्याधुनिक भवन के लिए आवश्यक धनराशि के लिए आप सब हमारे सहयोगी, साथी, सहपाठी, राजस्थान से आकर गुजरात की धरती को जिन्हों ने अपनी कर्मभूमि बनाया है, ऐसे कर्मठ और उदार व्यक्ति अवश्य हमें अपना सहयोग देंगे और यह कार्य परिपूर्ण होगा।

आप सब को हम बताना चाहते है कि हमारा स्वप्न एक अत्याधुनिक विद्यालय भवन निर्माण का है जिसके लिये हमें करीबन Rs.25 करोड़ से अधिक धनराशि की आवश्यकता रहेगी। हमारा यह लक्ष्य है कि इस भवन के निर्माण के प्रति हम किसी भी तरह का समाधान न करे और इस नये भवन से हमारी राजस्थान सेवा समिति की प्रतिष्ठा और भी संगीन बने।

इसी बात को ध्यान में रख कर हम PLATINUM, GOLD और SILVER डोनर लेना चाहते है जिन सब के नाम हम नये भवन में यथायोग्य तरीके से सुवर्ण अक्षर में GRANITE STONE पर कायमी रूप से प्रदर्शित रखेंगे। इस सेवा के शुभ कार्य के लिए आप से खास अनुमोदन है कि आप PLATINUM, GOLD या फिर SILVER डोनर अवश्य बने जिसकी विगत निम्नलिखित है।

PLATINUM DONOR CONTRIBUTION
Rs.31 लाख.

GOLD DONOR CONTRIBUTION
Rs.21 लाख.

SILVER DONOR CONTRIBUTION
Rs.11 लाख.

राजस्थान सेवा समिति को दिए गए दान की राशि आयकर अधिनियम, 1961, सेक्शन 80G के अंतर्गत राहतपात्र है।

"Vision" is the Breakfast of the Champions"
"Feedback" is the Lunch of the Champions"
&
"Self-Correction" is the Dinner of the Champions".

This is how Dr. Stephen Covey has defined "Vision", "Feedback" & "Self-Correction".

"Breakfast" is the symbol of beginning. It is the beginning of a New Day. The beginning of a new venture or new business. It is at this time that we should have crystal clear "Vision". The complete "Road Map" that will help us travel from point "A" to point "B". Crystal clear vision will tell us what can be the challenges along the way, what are the stakes, what benefits we will accrue, what kind of Team to select & what resources to be employed.

There is a big difference between "Sight" and "Vision". Sight is restricted only to what we can see right now, physically with the resources available.

"Vision" is more than the "Sight". It is "Insight". It is the ability to look beyond the horizon. It is your sharp perception of things that are still hidden in the womb of future.

"Vision" is therefore rightly called the "Breakfast" of the Champions.

How can we develop such ability to "Visualize" the future. It perhaps comes through past experiences. The greater the experiences, the sharper your vision. It comes from a Calm, cool mind, which has the ability to critically analyse the present situation and then build the future.

Having "Vision" is like an art of the game of "Chess". The greater your ability to understand complexities the better your vision.

However, as Stephen Covey has rightly pointed out, "Vision" is not sole criteria towards success.

The next logical step is "FEEDBACK".

"FEEDBACK" is rightly called the "Lunch" of the Champions.

It is the Interval & Assessment. You take stock of the situation. The progress made on the basis of your vision. Challenges overcome and Opportunities utilized.

To have effective "FEEDBACK", you need to create an environment of fearlessness in your organization. You need to create opportunities through which all subordinates and colleagues can freely share their Feedback.

Any leader who is not ready to receive the FEEDBACK and who is overconfident about his own vision will fail miserably.

As you keep on encouraging your team to openly give you their FEEDBACK, you will begin receiving more and more FEEDBACK.

It is not necessary that all FEEDBACK are useful. What is important is to receive them.

All such FEEDBACK can be then analysed and utilized.

I have seen many organizations where taking "Feedback" is a normal practice. However the problem with many such organizations is that they neither study such "Feedback" forms nor act upon them. If you go to a restaurant, after taking your meals, they might give you a "Feedback Form" to fill up. I however doubt if hardly ever such forms are critically studied and acted upon.

Another stumbling block is "EGO". Whoever sets the "Vision" must have the courage to positively look at "Feedback" even when they may contradict the "Vision" set.

And then comes the Dinner of the Champions.

"Course Correction is the Dinner of the Champions".

You must be willing & nimble in Course Correction. Your rigidity in course correction can cost you a lot. It can even cost you your business and prosperity.

"Course Correction" is like "Compass". It enables you to change the course little here and little there and thus ensures that at the end of the day the VISION you had seen at your Breakfast Time, in the beginning is realized.

In his famous book, "Only the Paranoid Survive", Andrew S. Grove has rightly said, "Changes take place in business all the time. Some are minor, some are major. Some are transitory; some represent the beginning of a new era. They all need to be dealt with effectively." That is called for Course Correction. We all have heard the metaphor of "Ostrich burying its head in the sand." When changes come, when it is the time to make "Course Correction", we cannot afford to behave like "Ostrich" and burying our heads in the sand, believe that nothing is happening around us and time/circumstances will remain as they are.

In this context, I would like now to share some quotes. "Some fear is healthy – especially in organizations that have a history of success." As you keep on achieving success after success, be more and more cautious at every step, because it is repeated success that can make you more careless. It is rightly said that in the sport of mountaineering, most of the accidents occur, when a mountaineer is very near to the peak. He then becomes careless, takes a single misstep and wastes his life.

Andrew Grove, who wrote the Iconic Book, "Only the Paranoid Survive" is the co-founder of "Intel" one of the most successful computer companies in the world. After setting his Vision, Andrew Grove will always try to prove himself wrong. Based on his Vision he will ask many questions how his vision is wrong and only after distilling his vision through such rigorous process will he begin acting on the vision.

GANPATRAJ CHOWDHARY
President

DR. SHAILAJA NAIR
Rajasthan Hindi High School

You can never become a great leader nor a person of influence in the cause of justice until you have developed self-control. When you permit another person to make you angry, you are allowing that person to dominate you and drag you down to his level.

Intolerance and selfishness make very poor bed-follows for self control. To develop self-control you must make liberal and systematic use of the Golden Rule philosophy; you must acquire the habit of forgiving those, who annoy and arouse you to anger.

Anger is a state of insanity! The well-balanced person is slow to anger and remains cool and calculating in his procedure. He remains calm and deliberate under all conditions. To master conditions, you first master self! The tendency is to build up and not to tear down. Why not develop this virtue??

MRS. JAYSHREE KARIKKAN
Gyanodaya English Primary School

It's the beginning of another academic year and a warm welcome to all my students, teachers, staff members and the supporting team. About 250 new entrants join our student fraternity. We have reason to admire that there was heavy rush for admissions and feel sorry for those who were disappointed.

Adapting to technology and adjusting to time is the road to growth and development. Our school is, therefore, passing through the transition phase of re-construction of infrastructure, primarily the school building. The task is tough, affecting every one of us, but with co-operation and an accommodative approach by all, things are progressing and hope to accomplish smoothly and quickly.

So let us move along with the tide with collective unity, co-operation and mutual adjustment and accomplish the task with ease, that too without compromising academic interest of our students.

RAVINDRASINH KACHCHHAVA
Rajasthan English
Higher Secondary School

"SKILL" DEVELOPMENT
AN ENHANCE TO EDUCATION

Education has always been a part and parcel of an individual's development. Development stages differ and the pedagogy too has been different in various ages.

In short, the education system at schools needs to undergo a change. To achieve the grandeur of being in limelight of being successful one needs to be skilled. Education and skill development should go on simultaneously as skills need a background of education.

We in this age have a dire need to educate the Indian populations "skill" development.

Skills like communication, self management, self motivation, initiative and lifelong learning will make a person more optimistic not only in his own development but also in the development of our nation and society.

"EDUCATION IS A PROGRESSIVE DISCOVERY OF OUR OWN IGNORANCE."

SUNITA THAKUR
Gyanodaya Hindi Primary School

WHY INNOVATION IS NECESSARY?

Innovation is necessary not only to maintain competitive advantage but for growth and development of institutions industries and countries in a global world. Innovation improves processes and thereby, the quality of life of people.

Thus it becomes imperative not only to remain ahead in cutting-edge research but also in innovations recognizing the role of innovation in governance, the government of India had declared 2010-20 as the 'Decade of innovation'

WHY SHOULD WE URGE
OUR CHILDREN TO BE INNOVATIVE?

Creativity among children is almost in-born Every child is creative, the degree may vary, however, not the basic manifestation. Originality, creativity and innovative spirit among our children have to be promoted this will be helpful when they become leaders of our society in future ensuring an imaginative, inclusive future for the country fuelled by innovation. Inclusive development of our society needs opportunities for children so as to ensure an aversion to inertia and a reverence for innovative ways of solving problems. Creative impatient and imaginative children are one of the most precious assets of the nation. Inculcating the spirit of Samvedna and Sahyog will make them worthy citizens of not just India but the world.

राजस्थान सेवा समिति - सहपाठी सहयोग

प्रिय सहपाठी मित्रों गत एक माह में शाला से अलग-अलग वर्षों में पढ़ कर निकले छात्रों ने स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया। जिसमे समिति के पदाधिकारी (जो सहपाठी भी रहे हैं), भूतपूर्व शिक्षक एवं पूर्व विद्यार्थियोंके स्नेह मिलन संपन्न हुआ। 1993, 1996, 1998 तथा 2000 के प्रत्येक बेच से 100 से अधिक भूतपूर्व विद्यार्थियों ने एकत्रित होकर अपनी सफलता में राजस्थान स्कूल तथा शाला परिवार के योगदान को याद किया। हम सब पुराने विद्यार्थियों ने तमाम बच्चों से मिलकर काफी हर्ष का अनुभव किया। इन बच्चों में अपार समझ शक्ति, नियोजन शक्ति, संस्था के प्रति लगाव और समाज तथा समिति के तमाम सेवा कार्य में अपना भी योगदान देने की संकल्प शक्ति को देखकर, जानकर हम भी इनके साथ कार्य करने के लिए उत्साहित हुए।

सहपाठी से जुड़े सदस्यों की संख्या 500 से करीब है। हमारा लक्ष्य है कि अलग-अलग बेच में प्रोग्राम के द्वारा अधिक से अधिक विद्यार्थियों को यह सहपाठी मंडल में जोड़ना और फिर उनमें से प्रतिभावान, कर्मठ, सेवाकार्यों से जुड़े हुए विद्यार्थियों को राजस्थान सेवा समिति का सक्रीय हिस्सा बनाकर, समिति की विविध सेवाकिय प्रवृतियों के साथ जोड़ना। जिससे उनके अनुभव का लाभ वर्तमान एवं भावी विद्यार्थी उठा सकें। सहपाठी के किसी भी कार्यक्रम में एक ही जगह अनेक डॉक्टर, इंजीनियर,चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, एम.बी.ए, शिक्षक, प्रोफ़ेसर, व्यापारी, उद्योगपति, सेवा कार्य में लगे व्यक्तियों की प्रतिभा का एक साथ साक्षात्कार हो जाता है। हमें इन सभी के बारे में जानकर अत्यंत रोमांच और हर्ष होता है।

हमारे सहपाठी अलग-अलग कार्यक्रमों के माध्यम से रक्त-दान, गरीब परिवारों में कम्बल बाँटना, किताब एवं नोटबुक का मुफ्त वितरण, यूनिफार्म का निःशुल्क वितरण जैसी कई सारी प्रवृतियाँ करते हैं। 1985 बैच के श्री मनोजजी पोद्दार वापी में एक लाख से अधिक वृक्षों का रोपण करके इन सब वृक्षों का पिछले चार सालों से जतन कर रहे हैं। उनका लक्ष्य अहमदाबाद में भी वृक्षारोपण का एक बड़ा कार्यक्रम करना है।

सहपाठी संस्था में हमारा लक्ष्य है......

- धनोपार्जन के अलावा सेवाकार्य में अधिक से अधिक हमारे सहपाठी मित्रों को लाना।
- निष्ठावान, उत्साही एवं सेवाप्रवृत विद्यार्थियों को समिति की प्रवृतियों से अवगत कराकर उन्हें हमारे साथ जोड़ना।
- सामाजिक, सांस्कृतिक प्रवृति द्वारा अधिक से अधिक विद्यार्थियों को सहपाठी से जोड़ना।

हम हमारे तमाम सहपाठी मित्रों के उज्जवल भविष्य और स्वस्थ जीवन की मंगल कामना करते हैं।

बाबूलाल सेखानी, कन्वीनर, सहपाठी कमिटी
राजेंद्र बागरेचा, सह-कन्वीनर, सहपाठी कमिटी

राजस्थान सेवा समिति संचालित राजस्थान हिंदी हाईस्कूल में अटल टिंकरिंग लैब का शुभारंभ

दिनांक 30 जून 2018 को गुजरात राज्य के शिक्षण मंत्री श्री भूपेंद्रसिंहजी चूडास्मा ने राजस्थान सेवा समिति संचालित राजस्थान हिंदी हाईस्कूल में अटल टिंकरिंग लैब का विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में बताया की "अटल टिंकरिंग लैब" एक ऐसी परिकल्पना है कि जिसके माध्यम से विद्यार्थी बच्चों की रचनात्मकता बाहर आएगी और अगले 20-25 वर्ष में गुजरात में भी नोबल पुरस्कार मिलेगा। उन्होंने कहा कि असामान्य काम व् शोध करने वाले को नोबल पुरस्कार मिलता है, विश्व के अन्य देशों में यह पुरस्कार मिला है, लेकिन भारत के लोगों को कम मिला है। अटल टिंकरिंग लैब में हुआ काम और छोटे छोटे बच्चों ने जो काम दिखाए हैं, उससे लगता है कि अगले 20-25 वर्ष में गुजरात में भी नोबल पुरस्कार मिलने वाला है। उन्होंने ने कहा कि वाइब्रेंट गुजरात-2017 में दुनिया के 9 नोबल पुरस्कार विजेताओं से मुलाकात हुई, तब विचार आया कि भारत के गुजरात में भी नोबल पुरस्कार विजेता बनने चाहिए। यहां लैब में काम देखकर लगता है कि कुछ शोध होने वाले है, कुछ अच्छे शोध होने वाले है।

समाज को मिलना चाहिए इनोवेटिव आइडिया का लाभ

शिक्षा मंत्री ने कहा कि इनोवेटिव आईडिया से समाज को लाभ मिलना चाहिए। पेट्रोल का ज्यादा उपयोग रोकने, एवरेज बढ़ाने, किसानों की समस्याओं और प्रदुषण का सरल उपाय ढूंढना चाहिए। उन्होंने कहा कि लैब में टच लेस बेल दिखाई, किसी को सुनाने, बुलाने के लिए बेल दबानी पड़ती है, लेकिन टच किए बिना ही बजाई जाने वाली टच लेस बेल यहाँ तैयार की है। उन्होंने ऐसे ही सरल उपाय की आवश्यकता बताते हुए कॉलेजों की भांति स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए भी हैकाथॉन शुरू करने की शिक्षा विभाग के अधिकारीयों को सलाह दी। श्री चूडास्मा ने कहा कि लैब में जो भी दिखाया, वह सब स्टार्ट अप के ही छोटे स्वरुप है, इनोवशन है।

इस मौके पर असारवा विस्तार के विधायक श्री प्रदीपजी परमार ने भी अपने विचार व्यक्त किए। एनसीसी कैडेटों, स्काउट-गाइड ने मार्चपास्ट किया। विद्यार्थियों ने योग का निदर्शन भी किया। अहमदाबाद शहर के जिला शिक्षा अधिकारी श्री नवनीतभाई मेहता, गुजरात सायन्स अकादमी के अध्यक्ष डॉ. अशोकजी सिंघवी, गुजकोस्ट के एडवाइजर डॉ. नरोत्तमजी साहू, फुंडो लैब्स के संस्थापक व कार्यक्रम निर्देशक नैतिक चौटाई, राजस्थान सेवा समिति के उपाध्यक्ष श्री भेरुलालजी चौपड़ा, ट्रस्टी व ज्ञानोदय हिन्दी स्कूल के कन्वीनर श्री तेजकरणजी लूणिया, समिति के ट्रस्टीगण श्री रमाकांतजी भोजनगरवाला, श्री खीमराजजी जैन, ट्रस्टी एवं राजस्थान हॉस्पिटल के अध्यक्ष श्री गौतमजी जैन, पूर्व मंत्री श्री नेमिचंदजी चौपड़ा, स्कूल के को-कन्वीनर श्री मदनलालजी रांका व ट्रस्टी भी अटल टिंकरिंग लैब के उद्घाटन के इस शुभ अवसर पर उपस्थित रहे।

राजस्थान हिंदी हाईस्कूल के कन्वीनर श्री भेरुलालजी जी. जैन ने स्वागत प्रवचन के साथ साथ स्कूल की गतिविधियों की जानकारी भी दी। स्कूल की प्राचार्या शैलजा नायर ने आभार व्यक्त किया।

अटल टिंकरिंग लैब

अटल टिंकरिंग लैब सच में एक अनोखा विचार है और राजस्थान सेवा समिति एवं राजस्थान हिंदी हाईस्कूल के लिए गर्व की बात है कि हमारी यह शाला इस लैब के लिए चुनी गयी है। इस कार्य को सम्पूर्ण सफल बनाने में राजस्थान सेवा समिति एवं राजस्थान हिंदी हाईस्कूल कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। अटल इनोवेशन मिशन की ओर से देश में नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए नीति आयोग की ओर से स्थापित एक प्रमुख पहल है। अटल इनोवेशन मिशन के तहत स्कूलों में रचनात्मक, अभिनव समाधान कार्य को बढ़ावा देने के लिए स्कूल स्तर पर देशभर के सभी जिलों के स्कूलों में अटल टिंकरिंग लैब्स स्थापित की जा रही है। थ्रीडी प्रिंटर, रोबोटिक्स, इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स सरीखी नवीनतम तकनीकों पर यह लैब स्थापित की जा रही हैं। इन तकनीकों के साथ जुड़कर और इन तकनीकों का उपयोग करके विद्यार्थी अभिनव समाधान तैयार करना सीख सकेंगे। लैब के माध्यम से विद्यार्थियों के अभिनव माइंड सेट बनाने में मदद मिलेगी।

ATL (ATAL TINKERING LABORATORY) - A WONDERFUL CONCEPT

Inauguration of Atal Tinkering Lab on 30th June, 2018, at Rajasthan Hindi High School, Shahibaug Road, Ahmedabad.

Government of India
NITI AAYOG
Atal Innovation Mission

The Background

The Government of India has set up the Atal Innovation Mission (AIM) at NITI Aayog. Realizing the need to create scientific temper and cultivate the spirit of curiosity and innovation among young minds. AIM proposes to support establishment of a network of Atal Tinkering Laboratories (ATL) in India. ATL is a work space where young minds can give shape to their ideas through hands on do-it-yourself mode and learn/develop innovative skills. The vision is to "Cultivate 1 Million Children in India as Neoteric (means a person who advocates new ideas)

The Objectives

The objective of this scheme is to foster curiosity, creativity and imagination in young minds and inculcate skills such as design mind-set, computational thinking, adaptive learning, physical computing, rapid calculations, measurements etc. Young children will get a chance to work with tools and equipment to understand what, how and why aspects of STEM (Science, Technology, Engineering and Maths).

Features of Scheme

ATLs can be established in schools (minimum Grade VI-X) managed by State/Central Government, Local body (Municipality/Nagar Nigam), Private trusts/Society or Tribal/Social Welfare Department etc.

Tinkering

One who enjoys experimenting with and repairing machine parts.

Advantages

It can help the students : -

- To create new ideas
- To develop curiosity for solving any problems
- To develop creativity
- To develop the power of imagination
- To innovate through a do-it-yourself approach
- To develop skills for solving problems.

Principal
Rajasthan Hindi High School

FAITH & SCIENCE

When we think about compatibility of Faith & Science, it is Vedic wisdom that can help to correct one's view, as it had already long before Christianity and Islam appeared, a highly mature understanding of the 'Almighty':

The Rishis claim that everything in this creation including ourselves is permeated by the same great intelligence, like waves are permeated by the same ocean. The waves may be convinced that they are separate from the ocean as they have a distinct form and name. But ultimately all waves are nothing but the one great ocean and nothing is lost when their form is lost. Similarly, though we may consider our person as separate from others, in truth we are the one consciousness and nothing of substance is lost when form and name are lost.

Further, Indian Rishis claim that the apparent reality is not really real. It is a sense deception (Maya), in a similar way, as at dusk a rope is mistaken to be a snake, even though in reality there is only a rope. Truly true is our inner being (Atman) that permeates everything. It means that in our essence, we are infinite, spread out all over as it were, eternal.

Now this ocean analogy sounds almost like modern physics. How come? Did the scientists discover that all is "One Energy" independently or were their theories inspired by the Vedas? Had the scientists reflected on the profound insights of the Indian rishis?

Indeed this had been the case. The scientists who were responsible for replacing Newton's paradigm of a universe full of separate things with an interconnected, homogeneous Whole were inspired by Vedanta: Heisenberg, Schroedinger, Pauli, Einstein, Oppenheimer, Tesla and others, all knew about and reflected on India's ancient wisdom.

In contrast, dogmatic religions never fostered science. What sadder example can there be than the burning of the great Nalanda University library in present day Bihar by Islamic invaders in 1193 AD. The collected treasure of the best minds was turned into ash and thousands of students were brutally killed. Voltaire rightly said, "Those who can make you believe in absurdities can make you commit atrocities."

Yet times are changing. The awareness that we would be better off without blind belief in irrational dogmas is growing. Christianity is losing its hold over its followers in the west. In Berlin, the capital of Germany, only 25 per cent of the inhabitants are still Christians. And Islam, though seemingly still on an upswing, is being scrutinised, too. The recent wide-spread protests in Iran point to the fact that not all believe what they are told to believe and even risk their lives for freedom.

So to come back to the question: belief in an Almighty Presence is not an obstacle to being a scientific minded person, but rather a help. It can help to even expand science. Here is why:

Science is defined as knowledge gained from observation and experimentation. The Rishis, however, added one more method – knowledge gained from inner exploration. This inner exploration or meditation lifts Vedic wisdom above science and inspires it.

Scientists have discovered the oneness of all, but for them the oneness is dead, without life. The Rishis have discovered the oneness of all many thousand years earlier, and they 'saw' or realised that this oneness is alive and knows itself.

The truth is not something abstract, cold, and theoretical. It is the conscious, loving, intelligent essence in all from where thoughts emerge. True inspiration and intuition come from this level. Srinivasan Ramanujan, the great mathematician, would have touched this level from where he received amazing mathematical insights . He related to it as Devi Namagiri.

Many great scientists acknowledge an almighty intelligence as the cause for (or essence of) this universe. Einstein, too, acknowledged it. In a letter to a school girl, who asked him if scientists pray, he wrote: "Everyone who is seriously involved in the pursuit of science becomes convinced that some spirit is manifest in the laws of the universe, one that is vastly superior to that of man."

This spirit level (Indians called it Atman) is within all of us. It is the Almighty and we are definitely better off if we acknowledge its presence and trust it. The Rishis advocate complete trust – after all, it is Almighty...

भावनात्मक श्रद्धांजलि

आदरणीय ट्रस्टी
श्री बाबुलालजी रूंगटा

राजस्थान सेवा समिति के हमारे आदरणीय ट्रस्टी श्री बाबुलालजी रूंगटा अब हमारे बीच नहीं रहे। शनिवार, दिनांक 11/08/2018 को आपका स्वर्गवास हो गया। यह दुःखद घटना, केवल उनके परिवार पर ही नहीं लेकिन समग्र राजस्थान सेवा समिति परिवार एवं कई सारी संस्थाएं जिनके साथ वे जुड़े हुए थे, उन सबके लिए एक वज्रघात से कम नहीं है। श्री बाबुलालजी रूंगटा एक अद्वितीय व्यक्तित्व तो थे ही लेकिन कई सारी संस्थाएं एवं समाज के जरुरतमंदो के लिये अपना जीवन व्यतीत करना जैसे उन्होंने अपना धर्म बना लिया था। उनके दिवंगत होने से उत्पन्न हुआ शून्यावकाश भरना असंभव है। आपकी याद एवं अनगिनत शुभ कार्य हमेशा अमर रहेंगे।

श्री रूँगटाजी वर्ष 2011 से राजस्थान सेवा समिति के ट्रस्टी थे एवं संस्था की उत्कृष्ट प्रतिभा संस्थापित करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे थे। "संस्था सर्वोपरि" हमेशा आपका जीवनमंत्र रहा और आपके अनगिनत सामाजिक कार्यो में कभी भी आपने निजी स्वार्थ को बीच में नहीं आने दिया। गुजरात रिसर्च मेडिकल इंस्टिट्यूट (GRMI) संचालित राजस्थान हॉस्पिटल्स में भी ट्रस्टी एवं चेयरमैन पद पर रहकर आपने अमूल्य सेवाएं प्रदान की। आप आठ वर्ष तक राजस्थान हॉस्पिटल्स के चेयरमैन रहें और आपके कार्यकाल के दौरान हॉस्पिटल्स को अत्याधुनिक बनानेमें काफी योगदान दिया।

राजस्थान के मूल निवासी श्री बाबुलालजी राजस्थान सेवा समिति एवं राजस्थान हॉस्पिटल के अलावा श्री सती धाम सेवा समिति के भी ट्रस्टी थे और राजस्थान में भी कई सारे धार्मिक ट्रस्टों व समितियों से जुड़े थे। जिस घडी आपका पार्थिव शरीर पंचमहाभूत में विलीन हुआ उस वक़्त अहमदाबाद शहर के अग्रणी लोगों की उपस्थिति ही आपकी असीम लोकप्रियता का प्रमाण थी। उस दुःखद समय पर आपके परिजनों के अलावा विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं उद्योगपतियों ने श्री रूँगटाजी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

राजस्थान सेवा समिति परिवार, श्री बाबुलालजी रूंगटा के संस्था के प्रति अद्वितीय योगदान के लिए उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है। श्री रूँगटाजीकी दिवंगत आत्मा को परमकृपालु परमात्मा शांति प्रदान करें, एवं उनके भरे पूरे परिवार को इस शोक सहन करने की क्षमता दें। हम सभी दिवंगत आत्मा की आध्यात्मिक उत्कर्ष की मंगलकामना करते हैं। प्रभु उन्हें चिर शान्ति प्रदान करें।

गणपतराज चौधरी, अध्यक्ष एवं
समग्र राजस्थान सेवा समिति परिवार

ROLE OF PARENTS IN CHILD DEVELOPMENT

I would like to use this platform to thank my parents to make me what I am today!!!!

Parents play a crucial and important role in the overall development of children. Parent's role is not only confined to academic and educational achievements of child but also in the development of his inner personality and character. Parents sacrifice a number of things for their children. A parent's abilities, aspirations, habits, behavior etc. are some of the factors which contribute to success or failure of child. The traditional pattern of family i.e. consisting of mother and father (parents) with children is the best place for child's development but in the practical situations, the definition of family is getting varied these days. Now a day's both husband and wife is working, so nobody is there to take care of children. But in this situation parents (mother and father both) have to manage quality time whether it is less for their child. Parents worry heavily about their children's learning and educational capabilities. The grasping abilities differ from child to child and it is parents and teacher's collective responsibility to educate children starting from the school age itself. Parents should help and take good care about their child's study progress. This will surely help him in achieving success in their future life. Children are not generally mature and their thinking and behavior will be different from adults. Some children are action oriented where as some children are dreamers and some quick learners. If parents recognize their talent and balance their activities then they will surely develop in all aspects and will gain self confidence. Remember to praise children and be friendly with them; this will surely make them better human beings in future. Give some time to children to understand what is wrong what is right. Don't scold your child when they do mistakes, rather explain them because children learn from mistakes.

Finally, becoming a successful candidate in life heavily depends on the parents influence in the early stages of life.

Mrs. Mansi Patel
Asst. Teacher, Rajsthan Eng. Hr. Sec. School

TENSION

The moment you are in tension
You will lose your attention
Then you are in total confusion
You will feel irritation
Spoil personal relation
Ultimately you won't get co – operation
You will create complication
Your BP may rise, so caution
You end up in medication
Instead understand the situation
And try for a solution
Problems will be solved by discussion
Which will work out better in your profession
It's a free suggestion
Only for a prevention
If you understand my intention
You will be free from TENSION !!!

Hema Mudaliar
Supervisor, Gyanodaya School

THE SOCCER FEVER

As the soccer fever grips the world with FIFA 2018,
Amid cries and happy faces the daunting teams perform,
The defending champions GERMANY rubbing the dust,
RUSSIA proving to be a graveyard journey for many,
The underdogs like Koreans performing well this time,
The trio CHRISTIANO-MESSI-NEYMAR facing uphill tasks to clear the qualifiers for their teams,
Rusty starts for most of the teams,
A great leveller the game turning out to be,
With people cheering for their favourite team,
Coaching shouting to their fullest to guide players,
Who will take last crown of the decade?
It's mystery to watch and follow ...!!!

Aparna Thakur
Class Teacher, Std. Sr. KG - A
Gyanodaya School

REPORT - TEACHER'S TRAINING PROGRAMME : 2018-19

Gujarat government has introduced NCERT Textbooks in std. 9th and 10th. In this regard a training programme was organized from 12/06/18 to 15/06/18 in Sahajanand Gurukul Asarwa under the guidance of RMSA and state education department in Ahmedabad. Nearly 350 mathematics teachers took part. On 12th june 2018, registration was done from 8:30 am to 9:30. From our school two teachers Mr. K.N. Sharma and Mr. S.B. Nayar took part in it. The programme lasted from 9:30 to 5:30pm everyday. KRP and RP provided training by new methods of teaching and activities. The syllabus of science, maths and English is at par with CBSE board.

A lesson plan including terminology, key points was prepared. Students opting to appear for All India Examinations like JEE, NEET, CEPT etc. will be prepared. This training has been effective and relevant. Every teacher has been given the certificate for their participation.

Really it was a memorable training programme.

K.N Sharma
Asst. Teacher, Rajsthan Hindi High School

AN INDIAN CULTURE

The culture of India refers collectively to the thousands of distinct and unique cultures of all religions and communities present in India. India's language, religion, dance, music, architecture, food and customs defers from place to place within in the country, often cabled as an amalgamation of several culture, spans across the Indian subcontinent and has been influenced by a history that is several; millennia old. Many elements of India are diverse. Culture, such as Indian religions, philosophy, cuisine, language, martial arts, dance, music and movies have a profound impact across the Indosphere, greater India and world.

India is one of the most religiously and ethnically diverse nation in the world, with some the most deeply religious societies and cultures. Religion plays a central and definite role in the life of many of its people. Although, India is a secular Hindu majority country. It has a large Muslim population. Except for Jammu and Kashmir, Punjab, Lakshadweep, Manipur, Nagaland, Mizoram, Meghalaya, Hindus form the predominant population in all 29 states and seven union territories.

Popular styles of dress include draped garments such as sari for women and dhoti or lungi for men. Bindi, mend, ear-rings bangles and other jeweller are common in the women wearing. Indian culture is one of philosophical dynamism. Through history and time, no other civilization no cultural heritage has been known to produce deduced hypothetical philosophy that has transcended into the future from the past . Be it in the sciences, Medicines, Astronomy or Astrology, the Indian culture has bordered it all. And William Durant the great American historian comments, "India is the motherland of our Race."

Pandey Mansi Neelmani
Asst. Teacher, Std. 7th - C
Gyanodaya School

हंसवाहिनी माँ शारदे

हंसवाहिनी माँ शारदे
जीवन का मुझ को सार दो
मुझ अमूढ अकिंचन को माँ
तुम ज्ञान रूपी भंडार दो
संकुचित यह मन आँगन
सुविचारों का विस्तार दो
रिक्त हृदय का कोना-कोना
वरदायनी ! सदाचार दो
जोत जगा दो सद्बुद्धि की
सदवाणी का व्यवहार दो
व्याप्त माँ घट-घट में तुम
मुझे ध्यानमग्न संसार दो
डगमगाती ये जीवन नैया
भारती सुदृढ़ आधार दो
नीतिमयी मार्ग प्रशस्त करो
माँ ! भवसागर से तार दो

डिम्पल गौड़
ज्ञानोदय प्राथमिक शाला

ABOUT NASADIYA SUKTA

One of the finest pieces of literature in our "Vedas" is "Nasadiya Sukta". It is the 129th Hymn of the 10th Mandala of the Rigveda (10:129). How wonderful, surprising, astonishing, is it that our sages, in those ancient times, were able to consider & contemplate upon the question about creation of universe. The entire "Nasadiya Sukta" is concerned with cosmology and the origin of the universe.

"Nasadiya Sukta" has seven stanzas and in the last stanza our seers have the courage to say that the God in the highest heaven, whether he created this universe or whether he did not, only he knows about its origin, or may be even he does not know.

Indeed, the entire Hinduism is a "Quest", seeking "Scientific Approach" in every pursuit.

Later, renowned Film Maker, Shyam Benegal made a Television Serial, "Bharat Ek Khoj" and as the "Title Song" of the serial, Shyam Benegal chose "Nasadiya Sukta" duly translated and played in every episode of "Bharat Ek Khoj". You can listen to it on "You Tube".

Following are the lyrics of "Nasadiya Shukta" as translated for "Bharat Ek Khoj" serial.

सृष्टी से पहले सत् नहीं था
असत् भी नहीं
अन्तरिक्ष भी नहीं
आकाश भी नहीं था
छिपा था क्या?
कहाँ?
किसने ढका था?
उस पल तो
अगम अतल जल भी कहाँ था? ॥१॥

नहीं थी मृत्यू
थी अमरता भी नहीं
नहीं था दिन
रात भी नहीं
हवा भी नहीं
साँस थी स्वयमेव फिर भी
नही था कोई कुछ भी
परमतत्त्व से अलग या परे भी ॥२॥

अंधेरे में अंधेरा-मुँदा अँधेरा था
जल भी केवल निराकार जल था
परमतत्त्व था सृजन-कामना से भरा
ओछे जल से घिरा
वही अपनी तपस्या की महिमा से उभरा ॥३॥

परम मन में बीज पहला जो उगा
काम बनकर वह जगा
कवियों ग्यानियों ने जाना
असत् और सत् का निकट संबंध पहचाना ॥४॥

फैले संबंध के किरण धागे तिरछे
परमतत्त्व उस पल ऊपर या नीचे?
वह था बँटा हुआ
पुरुष और स्त्री बना हुआ
ऊपर दाता वही भोक्ता
नीचे वसुधा स्वधा
हो गया ॥५॥

सृष्टी यह बनी कैसे?
किससे?
आई है कहाँ से?
कोई क्या जानता है?
बता सकता है?
देवताओं को नहीं ग्यात
वे आए सृजन के बाद
सृष्टी को रचां है जिसने
उसको जाना किसने? ॥६॥

सृष्टी का कौन है कर्ता?
कर्ता है वा अकर्ता?
ऊँचे आकाश में रहता
सदा अध्यक्ष बना रहता
वही सचमुच में जानता
या नहीं भी जानता
है किसी को नहीं पता
नहीं पता
नहीं है पता ॥७॥

नव चीजों का उपहार

आज अगर परमात्मा आपको नव चीजों का उपहार देना चाहें तो आप कौन सा उपहार पसंद करेंगे?

यह नव चीजें है:

प्रेम, क्षमा, श्रद्धा, धैर्य, स्वातंत्र्य, शांति, शक्ति, प्रेरणा, शक्ति, आत्म विश्वास एवं स्वास्थ्य

बस आप अपने आपसे इतना ही पूछिये कि आपको इन नव चीजों में से कौन सी चीज की जरुरत है और अंदर से ही आवाज आयेगी कि आप अगर सच में एक सम्पूर्ण जीवन व्यतीत करना चाहते है तो आप को यह सारी चीजों की आवश्यकता है।

आप के लिये अपने आपसे एवं अन्य सब लोगों से प्रेम करना जरुरी है क्योंकि तब ही संसार में सच्ची शांति संभव हो पायेगी।

और अगर आप सब से प्रेम करना चाहते है तो वह तब ही संभव होगा जब आप में क्षमा करने की शक्ति होगी। क्षमा में से ही प्रेम का जन्म होगा, सच्ची शक्ति का जन्म होगा और इसी लिये कहा गया है "क्षमा वीरस्य भूषणम।"

वास्तव में क्षमा करना एक ऐसी शक्ति है कि जिससे आप हर पुरानी समस्या पीछे छोड़कर, उसे भूलकर आगे कदम बढ़ा सकते हैं और अपने आप का विकास कर सकते है।

जीवन में हमेशा समस्या आती रहेगी। ऐसा शायद ही कोई इंसान होगा जिसका पूरा जीवन सदाकाल शांतिमय हो। जीवन का नाम ही कुछ क्षण शांति के और कुछ क्षण मुश्किलें और कठिनाइयों के और इन सब के बीच वही इंसान संभल पायेगा जो परमात्मा से मिलने वाली दो सौगाद स्वीकार कर ले और वह सौगाद है श्रद्धा एवं धैर्य। हमें हमेशा श्रद्धा रखने की जरुरत है कि इस वक्त जो काले बादल छाये है वह कल या परसों अवश्य चले जायेंगे। श्रध्धा एवं धैर्य से ही यह संभव होगा।

अगर आप शांति का वरदान चाहते है तो आपको ध्यान करना सीखना होगा। ध्यान से ही आपको शांति की सम्पदा प्राप्त होगी। ध्यान का मतलब ही है प्रभु प्रार्थना और अपने आपको वह सर्वोत्तम शक्ति के शरण में छोड़ देना, उस पर सम्पूर्ण विश्वास रखना।

अगर आप अपने चारों और देखेंगे तो ऐसी कई सारी चीजें और घटनाएं नजर आयेगी जिससे आपको हर दिन, हर पर, हर क्षण प्रेरणा मिल सकती है और अगर आप प्रेरणा देने वाली यह घटनाओं के प्रति जाग्रत नहीं है तो सच में आप व्यर्थ का जीवन जी रहे है।

अंत में यह सब सौगाद का गुलदस्ता ही आपके जीवन को आत्म विश्वास और स्वास्थ्य से भर देगा जब आप जीवन के पुरे घटनाक्रम को एक सिनेमा की भांति देखना सीख जायेंगे।

GK QUIZ COMPETITION

Glimpses of GK Quiz Competition for students of Std. VIII. In the final round two students representing four houses participated and Chopra Kashish and Karambelkar Kartik of VIII-A, representing the Green House emerged as winners.

KUDOS TO THE WINNERS !!!.

What made the Quiz really enjoyable to the participants, teachers and the audience is the way it was organised - very similar to TV shows with Quick Fire Round deploying buzzers.

HAND WRITING COMPETITION OF GYANODAYA ENG PRI SCHOOL 2018'19

HEAD BOY
HEAD GIRL
ASST. HEAD BOY
ASST. HEAD GIRL
ELECTION WINNER

LEARNING OUTSIDE CLASSROOM

Learning beyond the boundaries of classroom. Taking the students of Std. I closer to nature, the Teacher attempts to develop intimacy with plants. The keen interest of students demonstrates the effectiveness of the approach, and perhaps, it may leave a stamp in their minds, the necessity of protecting, preserving it and cultivate a habit in them.

STUDENTS COMMITTEE, A & B SECTIONS - 2018-19

Head Boy	Shah Devarsh A
Asstt. Head Boy	Verma Kritarth S
Sports Captain	Shah Parthiv
	Padhiyar Ridham
Scout Boy	Patel Dev J

Head Girl	Jain Vidhi J
Asstt. Head Girl	Panchal Prachi V
Sports Captain	Porwal Vanshita S
	Patel Nishi B
Guide Girl	Gupta Zeel G

RANG AMAIZI
WALL PAINTING COMPETITION

L D College of Engineering, Ahmedabad, conducted **RANG AMAIZI-18**, a unique Wall Painting Competition. Our young artists of Std. VII and VIII from A & B sections demonstrated their talent with very interesting and creative ideas. The competition aims to

- Build creative confidence
- Stick to guidelines and deadlines that enables child to work towards accomplishment of specific goal
- No matter what they do, they should do well

Refreshments and the presence of entertainment by RJ Pooja made the full day's event a thrilling experience to our students.

Students felt elated and they enjoyed every bit of it.

YOGA DAY

HAVE YOU READ THIS BOOK?

"WHO WILL CRY WHEN YOU DIE" - ROBIN SHARMA

This is a highly inspiring book of Robin Sharma who has written equally inspiring book, "The Monk Who Sold His Ferrari".

Book begins with a perfect epigram. "THE TRAGEDY OF LIFE IS NOT DEATH, BUT WHAT WE LET DIE INSIDE OF US WHILE WE LIVE."

Even if we just focus on the "Names" of various chapters of this book and imbibe the suggestions in our life, it will become a life, cherished by others even when we would no more exist.

Let me share some of the chapter headings.

1. Discover Your Calling

Life without "Calling" OR "Aim" is a waste. We all must have some "Greater Calling" and then we should wholeheartedly pursue the same.

2. Every Day, Be Kind to a Stranger

We all have often observed that every time we express kindness to others, it helps in two ways. It brings smile to that other person and it brings utmost satisfaction to us. Everyone in life faces challenges, but when we are kind to someone stranger, we at least help to alleviate those challenges/stress to some degree.

3. Keep a Journal

Everyday many things happen in our life. It is important, we keep notes of progress made, challenges faced, opportunities gained & utilized, names of people who helped us or whom we helped. Many such things will enable us to look back and keep learning from our past.

4. Develop an Honesty Philosophy

Someone very rightly said, "It is better to be trusted, than to be liked." TRUST is the highest TREASURE one will possess. It opens all doors, even the doors of those who may not like you. And the foundation of TRUST lies in CONSISTENT HONESTY.

5. Start Your Day Well

Begin your day with positive thoughts, with full conviction that this will be one of the most rewarding days of your life and such mind-set will make the ball rolling in the right direction.

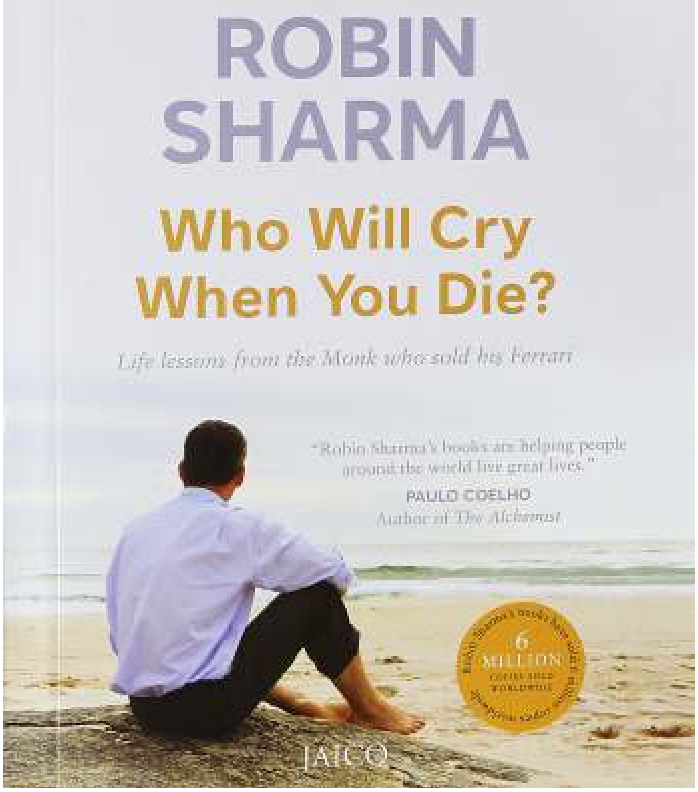

6. Learn to Say No Gracefully

One of the biggest challenges we often face in life is "Pressure of Others". When there is such pressure, compelling us to do things which we know are not good to do, we must develop the strength to say "NO". It will save us from many sleep-less nights.

7. Take a Weekly Sabbatical

"Sabbatical" is a beautiful concept. It means that once in a while you break your routine schedule and instead do something else. It helps breaking the "Monotony of Life". Sunday is meant for such "Sabbatical" to re-charge your battery, renew your connections with near and dear ones & pursue your hobbies.

8. Talk to Yourself

This can be called a "Me" time. Try to talk with yourself as a third person. Ask yourself questions and then answer yourself. Deliberate with yourself how you can improve. Such private time will help you improve yourself.

9. Get Up Early

Mere act of getting up early in the morning provides you with a "Head Start". It gives you extra time. It provides you peaceful time to focus on your work.

10. See Your Troubles as Blessings

One fact we must understand is we all are "Learning Individuals". A trouble arises because something is either not done properly, or some situation beyond our control arose. Simple thing we need to do is to take this as a "Learning Opportunity". Dissect the situation and identify what went wrong, where we were mistaken and how we can act better, the next time. Take it as Blessings.

11. Spend a Day Without Your Watch

In the prevailing circumstances cut yourself from all gadgets and particularly from mobile phone, tablet and computer. Go nearer to the nature. Meet & converse with people. Give them your time & attention.

12. Take More Risks

The secret to blossoming your Life lies in taking risks. Each risk taken adds to your confidence and it makes you realize that what you had perceived as a risk was actually no risk. But all such risks must be calculated.

13. Bless Your Money

The best way you can bless your money is by using a portion of it for the betterment of community/ humanity. Whatever you have gained is only due to the support of other people, directly or indirectly. So whatever happiness you have derived from your money, do spread this happiness.

14. Write Thank - You Notes

Express gratitude. Don't be selfish in this regard. Thanking others makes you more humane.

15. Always Carry a Book with You

There is so much to learn during the journey of Life. Each book opens up for you the window to a new world. Each book enables you to travel to different lands without taking a flight.

16. Enjoy the Path, Not Just the Reward

Always consider the ultimate Reward as merely a bonus. The real charm lies in the journey. If you enjoy doing whatever you have been doing, the joy will be doubled. The joy of doing it and then the joy of ultimate achievement.

17. Master Your Time

The only thing you really own is Time and Time is most perishable commodity. This very moment as you close your eye and then open it, one moment is gone away for ever. So learn to make best use of your time.

18. Keep Your Cool

By losing your cool, surrendering yourself to the "Stress", you harm only yourself. The inner damage that occurs cannot be seen but it will have severe consequences. It is rightly said, "Anger is costly luxury."

19. Cure Your Monkey Mind

Make "Meditation" part of your daily routine. It will help you calm down your mind. A focused mind will bring you incredible benefits.

20. Develop Your Talents

Every individual has one or the other talent. You need to identify your particular talent and work towards developing/fine-tuning the same. Earlier it is identified, greater the benefits.

21. Use Your Commute Time

Don't sit idly. Read. Listen to some Podcast. Keep doing something while travelling travelling/ commuting to-fro office.

22. Practice Forgiveness

Don't carry grudges. It only adds to your list of enemies. Everyone is a friend. The moment you learn to forgive, you add one more friend to your fast expanding list of friends.

23. Become a Volunteer

We all must work for a cause and offer our services as volunteers. Collectively through volunteering we can make the world a better place to live.

24. Stop Complaining and Start Living

There is not a single individual for whom "Life is Bed of Roses". Everyone has their own problems & troubles. Divert your focus away from complaints and begin living whole-heartedly.

Each guidance & advice is an opportunity to change.

"WHO WILL CRY WHEN YOU DIE" by ROBIN SHARMA is one such opportunity.

Do Read It.

A1 GRADE FOR BOARD EXAM MARCH - 2018

PERCENTILE RANK - 99.93

JAIN RIDDHI RAJANISH
STD. 10th
English Medium

PERCENTILE RANK - 99.93

KHANDELWAL HEMANT S.
STD. 10th
English Medium

PERCENTILE RANK - 99.52

MEHTA SHREY
STD. 10th
English Medium

PERCENTILE RANK - 99.93

VACHHETA SUNNY R.
STD. 12th (General Stream)
Hindi Medium

PERCENTILE RANK - 99.88

MAHER SHRADDHA H.
STD. 12th (General Stream)
English Medium

PERCENTILE RANK - 99.79

MENARIA RAMCHANDRA P.
STD. 12th (Science Stream)
Hindi Medium

"WHEN YOU LEARN, TEACH. WHEN YOU GET, GIVE."

1ST RANK FOR SCHOOL EXAM 2017-18

PERCENTAGE - 82.43%

CHAUHAN AYUSH V.
STD. 9th
English Medium

PERCENTAGE - 81.71%

JINGAR APURVA L.
STD. 9th
Hindi Medium

PERCENTAGE - 87.63%

SHARMA AMAN M.
STD. 11th (General Stream)
English Medium

PERCENTAGE - 93.63%

JHALA LAKSHYAPAL K.
STD. 11th (General Stream)
Hindi Medium

PERCENTAGE - 83.83%

BAGHEL ANKIT U.
STD. 11th (Science Stream)
Hindi Medium

"MINDS ARE LIKE PARACHUTES, THEY ONLY FUNCTION WHEN THEY ARE OPEN."

1ST RANKERS - ACADEMIC YEAR 2017-18

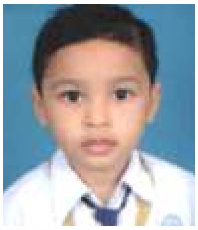

99%
SHAH DIVYAM
STD. JR. KG - A

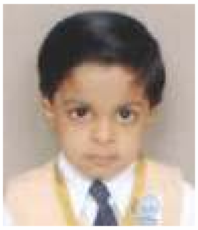

97.30%
SHARMA YASHVI
STD. JR. KG - B

99.60%
THAKUR KUNAL
STD. SR. KG - A

98.30%
SHAH VIDHI
STD. SR. KG - B

99.60%
KAMLANI NISHITA
STD. 1ST - A

99%
DAVE VANSH
STD. 1ST - B

98.30%
SHAH DHRUVIKA
STD. 2nd - A

98.30%
YADAV ANSH
STD. 2nd - A

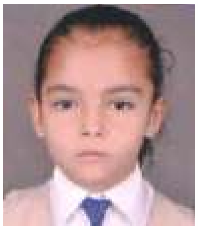

97.60%
BARAD MOKSHA
STD. 2nd - B

98.70%
PATEL DHARMIK
STD. 3RD - A

98.70%
MISHRA AKSHARA
STD. 3RD - B

98%
PATEL SARTHAK
STD. 4TH - A

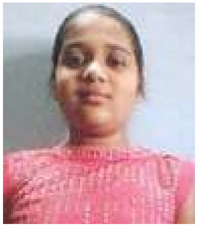

98.40%
PANDIYAR TANIYA
STD. 4TH - B

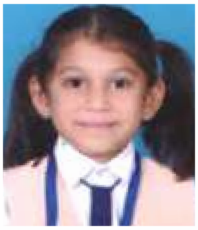

99.10%
JAIN PARI
STD. 5TH - A

99.10%
PUROHIT BHUMIKA
STD. 5TH - A

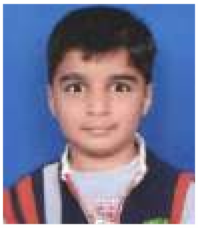

97.60%
KABRA KARTIK
STD. 5TH - B

96.50%
SONI KASHISH
STD. 6TH - A

98%
RAJPUT PALAK
STD. 6TH - B

97.30%
AGRAWAL HARSH
STD. 7TH - A

98.10%
SONI KHUSHI
STD. 7TH - B

98%
CHOPRA KASHISH
STD. 8TH - A

98%
GUPTA SHIVANSHI
STD. 8TH - A

96.50%
TIWARI TRIPTI
STD. 8TH - B

"LEARNING NEVER EXHAUSTS THE MIND."

GYANODAYA ENGLISH PRIMARY SCHOOL
RANKERS OF THE CLASS

96.33%
KANDOI YAJAT
STD. JR. KG

99%
JAIN KAVYANSH
STD. SR. KG

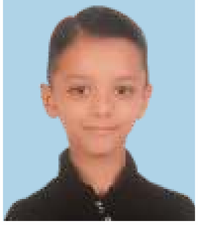
99%
PANWAR NIMESH
STD. 1ST - C

98.30%
VYAS VISHWA
STD. 2ND - C

99.20%
VYAS AKSHARA
STD. 3RD - C

97.80%
LODHA HARDIK
STD. 4TH - C

96.60%
SHARMA SIMRAN
STD. 5TH - C

96.80%
KHADELWAL KUSHAL
STD. 6TH - C

98.30%
GUPTA RIDDHI
STD. 7TH - C

97.25%
MUNDRA KHUSHI
STD. 8TH - C

GYANODAYA HINDI PRIMARY SCHOOL
RANKERS OF THE CLASS

94%
LOHAR DIPTESH
STD. JR. KG

97%
SANKALA JANISA
STD. SR. KG

100%
RAJPUT PRIYNASHI
STD. 1ST - H

98%
PRAJAPATI MANGILAL
STD. 2ND - H

93.70%
MODI BHAVESH
STD. 3RD - H

96.70%
LUHAR KANISHA
STD. 4TH - H

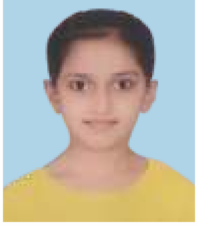
96.81%
YADAV PASHAVI
STD. 5TH - H

93.50%
NAI AAKASH
STD. 6TH - H

95.50%
DARAJI SHOHAN
STD. 7TH - H

96.80%
PATEL ULKA
STD. 8TH - H

OUTSTANDING STUDENTS OF 2018

PERCENTILE - 99.77
GUJCET - 99.53 (108/120)

PATEL DHYANI
STD. 12th
Maths Group - A2 Grade

PERCENTILE - 99.76
GUJCET - 86.25/120

SONI POOJA
STD. 12th
Biology Group - A2 Grade

PERCENTILE - 90.00

JAIN DHAVAL
STD. 11th
Maths Group

HANDWRITING COMPETITION (NOON)

STD	NAME	RANK
1ST - C	SOLANKI NIDHI VIRAL	1
	SONI JAKESH KUSHWANT	2
	JAIN KAVYANSH JAYESH	3
2ND - C	BHAVSAR HET MANOJ	1
	JOSHI PAHEL AMIT	2
	CHITARA PRIYANSHI DILIP	3
3RD - C	JAIN SANYAM HASMUKH	1
	RAO SEEMA JITENDRA	2
	VYAS VISHWA AMIT	3
4TH - C	VACHHETA KINJAL SURESH	1
	RAJPUT YASHVI NITIN	2
	SONI MANAV MAHENDRA	3
5TH - C	LODHA HARDIK DHIRENDRA	1
	CHITARA KAKSHIL DILIP	2
	CHAUDHARY URMILA NARSIRAM	3
6TH - C	BAFNA SNEHA VIJAY	1
	SHEKHAWAT JIYA ARVIND	2
	NAIDU SAKSHI DEEPAK	3
7TH - C	RAJPUT EKTA RAJENDRA	1
	RATHORA PRIYA SISH	2
	PANDEY MANSHI NEEL	3
8TH - C	GUPTA RIDDHI GAURAV	1
	SHARMA PALAK SAJJAN	2
	BHANDARI HITANSHI MAHAVIR	3

STUDENTS WHO GOT ABOVE 80% IN XII (SCIENCE STREAM - 2018) OFFERED SCHOLARSHIP UNDER INSPIRE SCHEME

PERCENTILE	NAME
99.77	**PATEL DHYANI** GROUP - A / GRADE - A2
99.76	**SONI POOJA** GROUP - B / GRADE - A2
98.36	**SHAH HETVI** GROUP - A / GRADE - A2
98.25	**KHEMKA UTSAV** GROUP - A / GRADE - A2
97.72	**JAIN KRUTIK** GROUP - A / GRADE - A2
96.03	**JAIN SAMIKSHA** GROUP - A / GRADE - B1
94.61	**SINGH RAVI** GROUP - A / GRADE - B1
92.59	**SODANI TANISQUE** GROUP - A / GRADE - B1

"EDUCATION IS NOT PREPARATION FOR LIFE; EDUCATION IS LIFE ITSELF."

OUR SCINTILLATING RESULTS

Schools of Rajasthan Sewa Samiti secured excellent results in High Secondary Examinations as well as N.S.S.C. Examinations.

Following are the details:

HIGHER SECONDARY RESULTS (SCIENCE STREAM – 2018)

Rajasthan English Higher Secondary School
Science Stream - 2018 (English Medium)

Overall Results - 86.76% (Against)
Board Results - 72.09%

The Top Performing Students.

1. Patel Dhyani Umesh 99.77% percentile
2. Soni Pooja Prakash 99.76% percentile
3. Shah Hetvi Samir 98.36% percentile
4. Khemka Utsav S. 98.25% percentile
5. Jain Krutik S. 97.72% percentile
6. Jain Samiksha T. 96.03% percentile
7. Singh Ravi Ajaykumar 94.61% percentile
8. Sodani Tanisque R. 92.59% percentile

Rajasthan Hindi High School
Science Stream - 2018 (Hindi Medium)

The Top Performing Students.

1. Menaria Ramchandra 99.79% percentile
2. Shukla Kirti S. 99.49% percentile
3. Harijan Nehaben 95.77% percentile

N.S.S.C. RESULTS

Rajasthan Hindi High School
Overall Performance

Overall Results - 95.66% (Against)
Board Results - 67.50%
English Medium Result - 95.83%
3 Students in Grade A1 (91-100)
Hindi Medium Results - 95.16%
6 Students in Grade A2 (81-90)

The Top Performing Students

1. Riddhi Jain 99.93% percentile (95%) (English Medium)
2. Mamta Jat 98.63% percentile (88.16%) (Hindi Medium)

HIGHER SECONDARY RESULTS (GENERAL STREAM – 2018)

Rajasthan Hindi High School

Overall Results
English Medium - 95.88%
Hindi Medium - 86.57%
Board Results - 55.55%

Best Performers

1. Vachheta Sunny 99.93% Percentile (Hindi Medium)
2. Maher Shraddha H. 99.88% Percentile (English Medium)

"CHILDREN MUST BE TAUGHT HOW TO THINK, NOT WHAT TO THINK."